दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 190 सोमवार 3 फरवरी 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

पुण्य तिथि पर आचार्य रामचन्द्र शुक्ल को नमन्

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । आचार्य रामचन्द्र शुक्ल को उनकी पुण्य तिथि पर याद किया गया। रविवार को चित्रांश क्लब वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष अनिल कुमार पाण्डेय के संयोजन में क्लब पदाधिकारियों ने बड़े वन स्थित उनकी प्रतिमा पर मार्ल्यापण करके नमन् करते हुये उनके योगदान पर विमर्श किया, क्लब के वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष अनिल कुमार पाण्डेय ने कहा कि ने कहा कि अगौना गांव में जन्में आचार्य शुक्ल हिन्दी साहित्य के उज्जवल नक्षत्र है। वे सदैव याद किये जायेंगे। युवा पीढी को आचार्य शुक्ल के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिये।

क्लब संस्थापक राजेश चित्रगुप्त और राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय कुमार श्रीवास्तव ने कहा वे जनपद के गौरव और विश्व हिन्दी साहित्य में आलोचना सम्राट है।

आचार्य शुक्ल को पुण्य तिथि पर नमन् करने वालों में मुख्य रूप से क्लब के जिला महामंत्री शेषनारायण गुप्ता, ओम माथुर, दुर्गेश श्रीवास्तव, राजेश श्रीवास्तव, दुर्गेंद्र श्रीवास्तव, आदि शामिल रहे।

सीएमओ ने किया पीएचसी का निरीक्षण गायब मिले चिकित्सक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

कुदरहा (बस्ती)। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले का हकीकत जानने सीएमओ आरएस दुबे 3 बजे पहुंचे तो ओपीडी मे डाक्टर की कुर्सी खाली मिली। एलटी विजय कुमार अपने कक्ष में बैठकर अभिलेख बना रहे थे। एलटी से डाक्टर के बारे मे पूछा तो उन्होंने बताया कि डा भानु प्रताप गिरी 2 बजे तक केंद्र पर थे। कहा गए हमें जानकारी नहीं है। जांच के बारे में पूछा तो उन्होंने बताया कि चार मरीजो का जांच हुआ है। ओपीडी मे कुल 22 मरीजो ने उपचार कराया है। उपस्थिति पंजिका को देखा तो डा. शशि का 1 व 2 फरवरी को हस्ताक्षर नही बना था और पंजिका में कालम खाली था। स्टाप नर्स मंजू ने सीएमओ से बताया कि स्टोर रुम में ताला है। डिलेबरी रुम में न तो गाज है और न ही पैड। इतना ही नही इस्टेलाइज ड्रम भी नही है। डिलेबरी रुम में गंदगी देख स्टाप नर्स व एएनएम को फटकार लगाया और साफ कराने का निर्देश दिया।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के डाक्टर सिर्फ ओपीडी के समय में ही मरीजो को देखते है। तीन बजते ही चिकित्सक शहर की तरफ चल देते है। इसके बाद केंद्र पर कोई चिकित्सक रात्रि में निवास नही करता। जिससे इमरजेंसी व रात्रि सेवा बंद रहता है। स्थानीय लोग सीएमओं की गाड़ी देख केंद्र पर पहुंचे और रात्रि में उपचार करने के लिए डाक्टर को रात्रि में ठहरने की मांग किए। जिस पर सीएमओं ने डाक्टर न होने की असमर्थता जताया। लोगों का कहना है कि यदि चिकित्सक रात्रि में नही ठहरेगें तो जिलाधिकारी से शिकायत की जाएगी।

हकीकत राय का बलिदान दिवस मनाया

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती ।आर्य समाज नई बाजार बस्ती द्वारा स्वामी दयानन्द विद्यालय सुर्तीहट्टा बस्ती में बसन्तोत्सव को अमर हुतात्मा वीर हकीकत राय के बलिदान दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर बच्चों ने वाग्देवी सरस्वती की वैदिक मंत्रों से आराधना की तत्पश्चात वीर हकीकत राय को वैदिक यज्ञ के माध्यम से भावभीनी श्रद्धांजलि दी। ओम प्रकाश आर्य ने बताया कि पंजाब के सियालकोट मे सन् 1719 में जन्मे वीर हकीकत राय जन्म से ही कुशाग्र बुद्धि के बालक थे।

तीसरे अमृत स्नान के लिये महाकुंभ में सुरक्षा के कड़े प्रबन्ध

प्रयागराज (आभा)। महाकुंभ में मौनी अमावस्या पर हुई भगदड़ वाली घटना दोबारा न घटे, इसको लेकर अफसरों ने कमर कस ली है। बसंत पंचमी के दिन होने वाले अंतिम अमृत स्नान के चलते श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए पुलिस–प्रशासन भी पूरी तरह से मुस्तैद हो गया है। सीएम योगी के जीरो एरर के निर्देश के बाद अफसरों ने महाकुंभ में भीड़ नियंत्रण का भी खाका तैयार कर लिया है। महाकुंभ में दो वरिष्ठ आईपीएस अफसरों को भी तैनात किया गया जो क्राउड मैनेजमेंट प्लान को सफल बनाने में मददगार साबित होंगे। ट्रैफिक सिस्टम को दुरुस्त करने के लिए भी पुलिस–प्रशासन ने कड़े इंतजाम किए हैं। अफसरों के अनुसार सोमवार को प्रयागराज में ट्रैफिक को डायवर्ट किया जाएगा। इसके अलावा महाकुंभ तक पहुंचने वाले सभी मार्गों पर पार्किंग स्पेस का भी इंतजाम रहेगा। महाकुंभ में श्रद्धालुओं की भीड़ ज्यादा न बढ़े इसके लिए सभी स्थलों पर क्रॉस मूवमेंट को भी रोका जाएगा। बसंत पंचमी के स्नान को लेकर किसी तरह का कोई वीआईपी प्रोटोकॉल लागू नहीं होगा।

29 जनवरी को पिछले स्नान के दौरान कम से कम 30 लोगों की जान लेने वाली एक घातक भगदड़ को देखते हुए यूपी सरकार ने मेले के सुचारू संचालन की देखरेख के लिए दो वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों को तैनात किया है, जो 2019 अर्ध कुंभ को सफलतापूर्वक संचालित करने वाली टीम का हिस्सा थे। आशीष गोयल और भानु चंद्र गोस्वामी, जिनके पास प्रयागराज में प्रशासन का व्यावहारिक अनुभव है, जिसमें 2019 अर्ध कुंभ के दौरान भीड़ प्रबंधन और अंतर–एजेंसी समन्वय की गहरी समझ शामिल है, मेला अधिकारी विजय किरण आनंद के साथ जुड़ गए हैं। वहीं दूसरी ओर रविवार की सुबह, एडीजी भास्कर मेला प्राधिकरण भवन में स्थित एकीकृत कमान और नियंत्रण केंद्र पहुंचे।

शिवपाल अध्यक्ष, गिरीश मंत्री बने

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रविवार को उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ का जनपदीय निर्वाचन श्री कृष्ण पाण्डेय इंटर कॉलेजके सभागार में चुनाव अधिकारी आलोक तिवारी, जिला मंत्री अयोध्या के निर्देशन में संपन्न हुआ सभी पदों पर सर्वसम्मत से निर्विरोध निर्वाचन संपन्न हुआ ।

सर्व सम्मति से शिवपाल सिंह अध्यक्ष, गिरीश चंद्र चौबे मंत्री, विनोद कुमार पाठक कोषाध्यक्ष, आज्ञाराम यादव आय व्यय निरीक्षक, श्रीमती नीलिमा गौतम, प्रत्यूष कुमार सिंह, रामगोपाल यादव, डॉ.श्रीकांत, डॉ विकासभट्ट उपाध्यक्ष, विवेकानंद मिश्र, दिनेश तिवारी, अरुण कुमार सिंह, शंभू नाथ वर्मा,, बृजभूषण चौधरी, प्रेमनाथ विश्वकर्मा, श्रीमती कसीदा बानो संयुक्त मंत्री घोषित किये गये। ण्इसके अतिरिक्त शिव शरण चौधरी, धर्मपाल सिंह, मनीष श्रीवास्तव दिवाकर, अमर सिंह, हरिनाथ शुक्ला, वेद प्रकाश द्विवेदी, दिनेश कुमार, लाल बहादुर, डॉ. राम हरीश मौर्य, राजेश मणि त्रिपाठी, वीरेंद्र प्रसाद उपाध्याय, सर्वेंद्र नारायण द्विवेदी, अच्युतानंद तिवारी, श्रीमती ममता दास, हेमंत चौधरी, छेदी मौर्य सदस्य बनाये गये।इस अवसर पर प्रधानाचार्य योगेश शुक्ल के साथ ही संघ पदाधिकारी और बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

नगर पालिका की जमीन पर अवैध निर्माण रूका, दोषी के विरूद्ध कार्रवाई की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कोतवाली थाना क्षेत्र के कटरा निवासी राम बाबू श्रीवास्तव ने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका, सचिव विकास प्राधिकरण, जिलाधिकारी के साथ ही सम्बंधित अधिकारियों को पत्र देकर मनोज कुमार द्वारा सरकारी जमीन पर अवैध निर्माण कराये जाने के मामले में तत्काल प्रभाव से रोक लगाने और दोषी के विरूद्ध कार्रवाई का आग्रह किया है। पुलिस के हस्तक्षेप पर रविवार की दोपहर में अवैध निर्माण कार्य रोक दिया गया।

कटरा निवासी राम बाबू श्रीवास्तव ने आशंका व्यक्त किया है कि मनोज कुमार पुनः नगर पालिका के चुंगी की जमीन पर अवैध निर्माण शुरू करानेके साथ ही उनके और परिवार के विरूद्ध कोई भी षड़यंत्र कर सकता है। मांग किया कि नगर पालिका की जमीन पर बिना नक्शा पास कराये अवैध निर्माण बंद कराने के साथ ही मनोज कुमार के विरूद्ध समुचित विधिक कार्यवाही की जाय।

महाकुंभ में भगदड़ से मौत मामले में मृतकों की वास्तविक सूची जारी करे सरकार- महेन्द्र श्रीवास्तव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कांग्रेस आरटीआई विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष और पूर्वान्चल प्रभारी महेन्द्र श्रीवास्तव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग किया है कि महाकुंभ मेले में भगदड़ के लिये जिम्मेदार अधिकारियों, कर्मचारियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई के साथ ही मृतकों की वास्तविक संख्या को जारी किया जाय।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से कांग्रेस नेता महेन्द्र श्रीवास्तव ने कहा कि यह हैरान करने वाली बात है कि कुंभ मेले में करोडो लोगों ने स्नान कर लिया इसकी गिनती तो आसानी से हो जा रही है किन्तु भगदड़ में कितने मारे गये, कितने घायल है और कितने लोग लापता है इसे बता पाने में सरकार और प्रशासन दोनों असमर्थ हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि घटना का सच दिखाने का साहस जुटाने वाले पत्रकारों को जेल भेजवा देने की धमकियां दी जा रही है। परेशान लोगों का आसू पोछने उन्हें सहायता देने की जगह उनकी घोर उपेक्षा किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। कहा कि एक तरफ लोगों की जान जा रही थी तो दूसरी ओर अमृत स्नान करने वाले संतों पर हेलीकाप्टर से फूलों की बर्षा की जा रही थी, यह सनातन परम्परा के विरूद्ध है। कहा कि भाजपा महाकुंभ की जगह अपना राजनीतिक प्रचार कर रही है। कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और यूपी

के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दावा किया था कि देश और प्रदेश से वीआईपी कल्चर समाप्त हो गया है किन्तु महाकुंभ मेले में विशिष्ठ जनों को सुविधा देने के नाम पर श्रद्धालुओं को 20–20 किलोमीटर तक दौड़ाया गया। भाजपा के नेता हिन्दुत्व की बात करते हैं, महाकुभ भगदड़ में मारे गये सभी हिन्दू हैं फिर उनके परिजनों के साथ कदम–कदम पर बदसलूकी क्यों। कांग्रेस नेता महेन्द्र ने कहा कि कुंभ में लोग चीख रहे थे किन्तु भाजपा के नेता दिल्ली और मिल्कीपुर के उप चुनाव में व्यस्त हैं, इन्हें जनता के दर्द से कोई मतलब ही नहीं है। कांग्रेस नेता महेन्द्र श्रीवास्तव ने सरकार से मांग किया कि महाकुंभ की भगदड़ में मृतकों, घायलों और लापता लोगों की वास्तविक सूची जारी कर मृतकों, घायलों को समुचित मुआवजा शीघ्र उपलब्ध कराया जाय।

विधि विधान से विद्यालय के अतिरिक्त कक्षा कक्ष का शिलान्यास

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रविवार को बसंत पंचमी के अवसर पर कप्तानगंज विकास खण्ड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय पोखरा में अतिरिक्त कक्षा कक्ष का शिलान्यास देवनाथ पाण्डेय द्वारा किया गया। पुरोहित चंद्र प्रकाश पाण्डेय ने विधिपूर्वक मंत्रोचार के साथ सम्पन्न कराया।

इस अवसर पर जूनियर शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष अम्बिका पाण्डेय, पीएम श्री विद्यालय सहजनपुर के शिक्षक स्कंद मिश्रा, किसान डिग्री कॉलेज के पूर्व उपाध्यक्ष अमित सिंह भवन निर्माण प्रभारी एवं जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रमोद त्रिपाठी के साथ ही बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

सरदार सेना के कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर में एकजुटता पर जोर याद किये गये जगदेव प्रसाद कुशवाहा, घोषित हुये पदाधिकारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । रविवार को गरीब वंचित पिछड़ों व बहुजनों की मजबूत आवाज रहे बिहार के लेनिन पूर्व उप मुख्यमंत्री जगदेव प्रसाद कुशवाहा की जयन्ती पर सरदार सेना का कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी वृजेश पटेल के संयोजन में बड़े बन के निकट स्थित एक मैरेज हाल में सम्पन्न हुआ। सरदार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. आर.एस. पटेल ने कहा कि परस्पर एकजुटता और समन्वय से सरदार सेना अपने लक्ष्य की ओर बढ रही है।

कहा कि बाबू जगदेव प्रसाद कुशवाहा ने कहा था कि जिस लड़ाई की बुनियाद आज मै डाल रहा हूँ, वह लम्बी और कठिन होगी। इसमें पहली पीढ़ी के लोग मारे जायेगे, दूसरी पीढ़ी के लोग जेल जायेगे तथा तीसरी पीढ़ी के लोग राज करेंगे। जीत अंततोगत्वा हमारी ही होगी। इस संकल्प को लेकर हम आगे बढ रहे हैं।

कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर को प्रदेश प्रभारी एडवोकेट रामलाल, चौधरी व्रजेश पटेल, जिलाध्यक्ष विनय चौधरी आदि ने सम्बोधित करते हुये सरदार सेना के लक्ष्य, उद्देश्य और कर्तव्य से विस्तार से प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के दूसरे चरण में संगठन विस्तार के उद्देश्य से अमित चौधरी को जिला सचिव, नागेन्द्र चौधरी विधानसभा उपाध्यक्ष रूधौली, विकास चौधरी जिला उपाध्यक्ष, धनंजय वर्मा को ब्लाक अध्यक्ष सल्टौआ, जितेन्द्र कुमार गौतम मण्डल मीडिया प्रभारी, मुकेश यादव ब्लाक अध्यक्ष रामनगर, प्रशान्त कुमार, मनोज निषाद जिला उपाध्यक्ष, अखिलेश कुमार जिला सचिव, रामाशीष चौधरी विधानसभा उपाध्यक्ष बस्ती सदर आदि का दायित्व सौंपा गया। पदाधिकारियों से अपेक्षा की गई कि वे सरदार सेना के नीति, कार्यक्रमों को जमीनी धरातल पर गति दें।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से अमरजीत चौधरी, अभिषेक चौधरी, राजा भैय्या, अखिलेश प्रजापति, अंकित चौधरी, उमेश चौधरी, मनोज निषाद, समर चौधरी, मनोज निषाद, मुकेश यादव, नागेन्द्र कुमार, अवधेश चौधरी, शहजाद आलम, राहुल निषाद, निरंकार चौधरी, दिलीप चौरसिया, मिथुन कुमार, जगजीवन गौतम, पुष्कर पटेल, धर्मेन्द्र कुमार, कुलदीप चौधरी, सत्यम, अतुल चौधरी, वीरेन्द्र, अजय कुमार, डा. विनोद, राजकुमार वर्मा, राजन चौधरी, अनिकेत, अभिषेक, दिलीप, मुकेश, अवधेश चौधरी, शिवराम, सन्तोष, सुनील पटेल के साथ ही सरदार सेना के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

घर पहुंचे महाकुंभ से लापता 35 श्रद्धालु

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । महाकुंभ में लापता गोरखपुर–बस्ध्ती मंडल के सभी 35 लोग घर लौट आए हैं। उनके घर वापस आ जाने के साथ जहां अपनों ने राहत की सांस ली है वहीं प्रशासनिक अधिकारियों ने भी सुकून महसूस किया है। 29 जनवरी को मौनी अमावस्ध्या के मौके पर हुए हादसे के बाद से ये लोग लापता थे। इधर, उनके घरवाले बुरी तरह चिंता में पड़े थे। अधिकारी भी अपने स्ध्तर पर उनका पता लगाने की कोशिश कर रहे थे।

30 जनवरी से लेकर एक फरवरी तक एक–एक करके श्रद्धालु अपने घर पहुंचते रहे। ताजा स्थिति यह है कि रविवार तक सभी 35 श्रद्धालु अपने–अपने घरों को लौट चुके थे। श्रद्धालुओं के घर लौटने से उनके परिवार के लोगों ने काफी राहत महसूस की।

विद्यालय का चतुर्दिक विकास प्रधानाचार्यों का लक्ष्य हो-संजय शुक्ल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। अनेक चुनौतियों के बावजूद विद्यालय का चतुर्दिक विकास करने को तत्पर रहना ही प्रधानाचार्य का लक्ष्य होना चाहिए। इसी क्षमता व योग्यता के संवर्धन के लिए सरकार प्रशिक्षण अभियान चला रही है। यह विचार डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल ने माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों के पांच दिवसीय नेतृत्व संवर्धन प्रशिक्षण शिविर के समापन समारोह में व्यक्त किया।

कहा कि प्रधानाचार्यों का दायित्व है कि वे विद्यालय के सभी शिक्षकों व कर्मचारियों से समन्वय स्थापित कर उत्तम शैक्षिक वातावरण का सृजन करें। साथ ही विद्यार्थियों के चौमुखी विकास हेतु पाठ्य सहगामी गतिविधियों और खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन करते रहें।

उत्तर प्रदेश प्रधानाचार्य परिषद के संरक्षक डा घनश्याम श्रीवास्तव,डा संजय सिंह,जिलाध्यक्ष योगेश शुक्ल व मंत्री डा हरेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि प्रशिक्षक सत्येन्द्र पाण्डेय व सुरेश

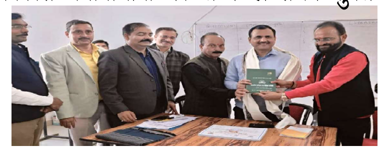

प्रधानाचार्यों का पांच दिवसीय नेतृत्व संवर्धन प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न

चन्द्र वर्मा ने जिस मनोयोग से नयी जानकारियां उपलब्ध कराईं उससे जनपद के सभी प्रधानाचार्यों को सुविधा होगी। परिषद के कार्यकारी अध्यक्ष आज्ञाराम चौधरी,डा सुरभि सिंह,उपाध्यक्ष डा कृष्णदेव द्विवेदी,डा मनोज सिंह,संजय द्विवेदी,धर्मेन्द्र कुमार,कोषाध्यक्ष विद्याधर वर्मा,संयुक्त मंत्री डा प्रमोद उपाध्याय,सर्वेन्द्रनाथ द्विवेदी,माया विजय, चन्द्रमा कौशिक पाण्डेय सतीश रंजन सिंह, विनोद राय ने कहा कि प्रशिक्षकों के सुझावों से विद्यालय की बेहतरी का हर सम्भव प्रयास किया जाएगा। प्रशिक्षक सत्येन्द्र पाण्डेय और सुरेश चन्द्र वर्मा ने कहा कि सरकार नयी शिक्षा नीति से लेकर अनेक नवाचारों को प्रोत्साहित करने में जुटी है।हम सबके समन्वित प्रयास से जल्द ही सुखद परिणाम दिखेंगे। इस अवसर पर प्रधानाचार्य परिषद के पदाधिकारियों ने डायट प्राचार्य,दोनों प्रशिक्षकों तथा डायट के प्रशिक्षण प्रभारी डा रविनाथ त्रिपाठी को उत्तरीय भेंटकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में मुस्लिमा खातून,देवेन्द्र नाथ मिश्र,दिनेश वर्मा, रामप्रीत यादव,कौशलेंद्र मिश्र, संदीप श्रीवास्तव,बीरेंद्र सिंह,सुधीर कुमार, संतोष पाण्डेय,राजित राम वर्मा,धनंजय वर्मा,इन्द्र कुमार, आलोक कुमार,राम बचन ,राम सहाय आदि उपस्थित रहे।

पुण्य तिथि पर याद किये गये आचार्य रामचन्द्र शुक्ल खेत में उपेक्षित पड़ी प्रतिमा के सौन्दर्यीकरण की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। आचार्य रामचन्द्र शुक्ल को उनकी पुण्यतिथि पर रविवार को श्रद्धापूर्वक याद किया गया। कायस्थ सेवा ट्रस्ट जिलाध्यक्ष मुकेश कुमार श्रीवास्तव के संयोजन में ट्रस्ट पदाधिकारियों ने बड़ेवन स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके योगदान पर प्रकाश डाला। कहा कि आचार्य शुक्ल जिले के गौरव हैं।

संस्थापक अजय कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि हिन्दी भाषा के उच्च कोटि के साहित्यकार आचार्य रामचंद्र शुक्ल की गणना प्रतिभा संपन्न निबंधकार, समालोचक, इतिहासकार, अनुवादक एवं महान शैलीकार के रूप में की जाती है। यह बस्ती का सौभाग्य है कि उनका जन्म अगौना गांव में हुआ। ऐसी महान विभूतियों को निरन्तर स्मरण किये जाने की जरूरत है। उन्होंने मड़वानगर बड़े बन के खेत में स्थित

उपेक्षित आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की प्रतिमा का शासन स्तर पर सौन्दर्यीकरण कराये जाने की मांग किया।।

अध्यक्ष मुकेश कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि अगौना गांव में जन्में आचार्य शुक्ल हिन्दी साहित्य के उज्जवल नक्षत्र है। वे सदैव याद किये जायेंगे। वे जनपद के गौरव और विश्व हिन्दी साहित्य में आलोचना सम्राट है। कहा कि निबंध लेखन और आलोचना के क्षेत्र में उनका सर्वोपरि स्थान आज तक बना हुआ है। इस दौरान डॉ. सौरभ सिन्हा, पूर्व अध्यक्ष सर्वेश श्रीवास्तव,राजेश श्रीवास्तव, राजेश श्रीवास्तव, दुर्गेंद्र श्रीवास्तव, नितेश श्रीवास्तव,आलोक श्रीवास्तव,विश्वास चित्रांश,नीरज श्रीवास्तव ,बृजेश श्रीवास्तव,नितेश श्रीवास्तव आदि शामिल रहे।

समाज के सजग प्रहरी थे सुहेलदेव –दूधराम

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । महाराजा सुहेलदेव समाज के सजग प्रहरी और भारत के गौरव थे, जिन्होंने सनातन संस्कृति की रक्षा के लिये जान की बाजी लगा दी। पूरे भारतवर्ष को उन पर नाज है। यह विचार महादेवा के विधायक दूधराम ने व्यक्त किया। वे रविवार को सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी द्वारा जिला उपाध्यक्ष उमेश यादव, बब्लू यादव के संयोजन में महसो क्षेत्र के भुवनी पाकरडाड में आयोजित महाराजा सुहेलदेव राजभर के 1016 वीं जयन्ती पर आयोजित कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित कर रहे थे।

कार्यक्रम में वृजभूषण मिश्र, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रामललित चौधरी, मंत्री प्रतिनिधि अमन राजभर, जिलाध्यक्ष मनोज राजभर आदि ने कहा कि महाराजा सुहेलदेव ने समाज को महत्वपूर्ण दिशा दिखाने के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया था। आज

के युवाओं को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। महाराजा सुहेलदेव राजभर एक नाम ही नहीं भारत का गौरव है। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा। संचालन करते हुये मनोज राजभर और राजेश राजभर ने महाराजा सुहेलदेव के योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। कहा कि महाराजा सुहेलदेव के त्याग, संघर्ष से युवा पीढी प्रेरणा ले।

महाराजा सुहेलदेव राजभर जयन्ती पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य रूप से सुनील पाण्डेय, डा. तुलसीराम राजभर, सुरेश राजभर, वीरेन्द्र मिश्र, शिव प्रताप सिंह, रामललित राजभर, सीतादेवी राजभर, लक्ष्मी देवी राजभर, प्रभावती राजभर, मनोज राजभर, रामकिशुन राजभर, अर्जुन राजभर, अजय राजभर, विजय राजभर, गुड्डू यादव, दीवान यादव, डिम्पल राजभर, सोखा, पूजा देवी राजभर, अन्नू राजभर, आशीष राजभर, रामपाल राजभर, राजकुमार राजभर, राजनरायन, सुशीला धरिकार, योगिन्दर, रामजी के साथ ही सुभाषपा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक शामिल रहे।

परिषदीय विद्यालय के छात्रों ने किया मुण्डेरवा चीनी मिल का भ्रमण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । राष्ट्रीय आविष्कार अभियान की कड़ी में रविवार को पीएम श्री उच्च प्राथमिक विद्यालय देवमी बनकटी के 32 छात्र–छात्राओं ने मुण्डेरवा चीनी मिल का भ्रमण किया। मिल के जीएम महेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने छात्रों और शिक्षकों का चीनी मिल परिसर में स्वागत करने के साथ ही छात्रों को मिल तकनीक के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी वे। छात्रों ने गन्ने के उतारने, काटने, चीनी बनने की प्रकिया, बिजली उत्पादन के बारे में छात्रों को विस्तार से जानकारी दिया। उन्होने छात्रों के प्रश्नों का उत्तर देते हुये उन्हें संतुष्ट किया।

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ बनकटी के अध्यक्ष अभय सिंह यादव ने बताया कि छात्रों को ज्ञान, विज्ञान की वास्तविक जानकारी

हो इस उद्देश्य से सहायक शिक्षा निदेशक बेसिक संजय कुमार शुक्ल और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनूप कुमार की पहल पर छात्रों को राष्ट्रीय आविष्कार अभियान की कड़ी में भ्रमण कराया जा रहा है। परिषदीय स्कूलों के छात्रों को इससे विशेष लाभ मिलेगा।

मुण्डेरवा चीनी मिल भ्रमण के दौरान मुण्डेरवा थाने के प्रभारी निरीक्षक द्वारिका प्रसाद चौधरी, प्रधानाध्यापक मोहम्मद इकबाल, शिक्षक कमलेश्वर प्रसाद, विनोद कुमार चौधरी, अनुपम मिश्र, ऋषभ मिश्र, विनय शंकर पाण्डेय, बालेन्दु प्रसाद, विनय शर्मा, सुनीता , ग्राम प्रधान राजेन्द्र प्रसाद चौधरी, शिक्षा विद डा. अनिल कुमार मौर्य, ओम प्रकाश यादव आदि शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक **भारतीय बस्ती**

बस्ती 3 फरवरी 2025 सोमवार

सम्पादकीय

यमुना का पानी और राजनीति

मौसम चुनाव का हो तो मुद्दे सामने आ ही जाते हैं। दिल्ली में यमुना में प्रदूषण नया नहीं है। महानगरों और उद्योगों के लगातार गिरते कचरे ने यमुना के जल को प्रदूषित कर दिया है। मूल प्रश्न यह कि आखिर दिल्ली विधानसभा के चुनाव के समय ही राजनीतिक दलों के नेताओं को यमुना का प्रदूषण क्यों याद आ रहा है। क्या आरोप–प्रत्यारोप से यमुना स्वच्छ हो जायेंगी। फिर भी अगर राजनीतिक दल स्वच्छ पेयजल को चुनाव का मुद्दा बनाते हैं तो यह एक आदर्श स्थिति है, क्योंकि यह सभी लोगों की सेहत और जीवन से जुड़ा मामला है। लेकिन दिल्ली में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर जिस तरह एक बार फिर यमुना के पानी के प्रदूषित होने और इससे लोगों के सामने पैदा खतरे का मुद्दा और उस पर विवाद उठा है, वह नई बात नहीं है। गौरतलब है कि यमुना दिल्ली में हरियाणा से होकर आती है और दिल्ली में पीने के पानी का एक बड़ा स्रोत है।

कुछ दिन पहले दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने हरियाणा सरकार पर यमुना के पानी में जहर मिलाने का आरोप लगाया था। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने भी इसी तरह के आरोप लगाए थे। हरियाणा में भाजपा की सरकार है। इसके अलावा, दिल्ली में चुनाव प्रचार अपने चरम पर है। ऐसे में स्वाभाविक ही यह आरोप एक विवाद का विषय बन गया और चुनाव आयोग ने भी इस मसले पर अरविंद केजरीवाल से जवाब मांगा। जाहिर है, दिल्ली के बाशिंदों के लिए जिन अन्य महत्त्वपूर्ण मुद्दों पर बात होनी थी, वहां अब फिलहाल बहस इस बात पर है कि इस मामले में कौन पक्ष सच बोल रहा है!

दिल्ली में फिलहाल आम आदमी पार्टी और केंद्र में भाजपा की सरकार है। देश की राजधानी होने के नाते उम्मीद की जाती है कि यहां कम से कम बुनियादी जरूरतों के मसले पर सरकारी तंत्र इतना सजग होगा कि स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता कोई समस्या नहीं बनेगी। मगर यह छिपा नहीं है कि अक्सर किसी न किसी इलाके से प्रदूषित पानी की आपूर्ति की शिकायतें आती रहती हैं।

कई बार पानी की गुणवत्ता इस स्तर की पाई जाती है कि उसे पीना सेहत के लिए खतरनाक होता है। आए दिन पानी की कमी जैसी चिंता भी जाहिर की जाती रहती है। दूषित पेयजल की शिकायत सामने आने के बाद शायद ही कभी इस समस्या के लिए किसी की जिम्मेदारी तय की जाती है। कोई तात्कालिक उपाय करने के बजाय इसका स्थायी समाधान निकालने की कोशिश नहीं होती। मगर चुनाव नजदीक आने के साथ ही सभी राजनीतिक दल यमुना के पानी के प्रदूषित होने, इसकी वजह से पेयजल की स्वच्छता प्रभावित होने और उसके जोखिम को मुद्दा बनाने लगते हैं।

विडंबना यह है कि जैसे ही चुनावी प्रक्रिया पूरी हो जाती है, सरकार बन जाती है, तब सब कुछ पहले की तरह चलने लगता है। यमुना का पानी दूषित होने के कारण जगजाहिर रहे हैं। जो पार्टियां चुनाव प्रचार के दौरान यमुना की सफाई और उसे एक स्वच्छ नदी बनाने के वादे करती हैं, बाद में उनके लिए यह सवाल गौण हो जाता है। सरकार इस नदी की सफाई के लिए आए दिन अपना सरोकार जताती है, उस पर धन खर्च किया जाता है, लेकिन हकीकत यह है कि बीते कई दशक से यमुना सिर्फ एक चुनावी मुद्दा बन कर रह जाती है और बाकी समय दिल्ली के लोग आमतौर पर पीने के साफ पानी को लेकर हर वक्त एक आशंका से गुजरते रहते हैं।

जिन राज्यों से यमुना गुजरती है, उनके अपने तर्क हैं। मगर किसी के लिए यह सवाल महत्त्वपूर्ण नहीं है कि इतने लंबे वक्त और अरबों खर्च किए जाने के बावजूद यमुना में अमोनिया का स्तर चिंताजनक क्यों हो जाता है, इसका पानी नहाने तक के लिए सुरक्षित क्यों नहीं बन सका। आज भी अगर यमुना सिर्फ एक चुनावी मुद्दा ही बनी हुई है तो इस मसले पर जताई जाने वाली चिंताओं के प्रति राजनीतिक पार्टियों की इच्छाशक्ति का अंदाजा लगाया जा सकता है।

आम बजटः सरकार का नजरिया और मध्यम वर्ग

– कमलेश पाण्डेय–

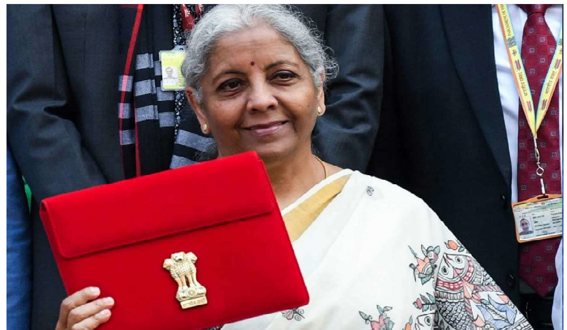

आम बजट 2025 एक सर्वसमावेशी और दूरदर्शी बजट है। यह कई मायने में सर्वव्यापी और सर्वस्पर्शी भी है। खासकर ताजा बजट प्रस्तावों के माध्यम से मध्यम वर्ग को जो भारी कर राहत प्रदान किया गया है और आयकर छूट सीमा को बढ़ाकर 12 लाख रुपया तक कर दिया गया है, उससे अर्थव्यवस्था को विभिन्न कोणों से मजबूती मिलने के आसार प्रबल हैं। कुल मिलाकर यह आम आदमी का बजट है, जो गरीबों, युवाओं, अन्नदाता किसानों और नारी शक्ति को आर्थिक मजबूती प्रदान करता है। सच कहा जाए तो यह आम बजट विकसित भारत यानी हर क्षेत्र में श्रेष्ठ भारत के निर्माण की दिशा में मोदी सरकार की दूरदर्शिता का ब्लूप्रिंट है, जिसमें किसानों, गरीबों के साथ–साथ मध्यम वर्ग पर भी ध्यान दिया गया है। वहीं, महिला और बच्चों की शिक्षा, उनके पोषण व स्वास्थ्य पर भी फोकस किया गया है। इस बजट में स्टार्टअप, इनोवेशन और इन्वेस्टमेंट तक, यानी कि अर्थव्यवस्था की समुन्नति के हर क्षेत्र को समाहित किया गया है। इस प्रकार यह बजट मोदी सरकार के आत्मनिर्भर भारत का व्यापक रोडमैप है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुताबिक, यह बजट भारत की विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं का बजट है। यह हर भारतीय के सपनों को पूरा करने वाला बजट है। इसके माध्यम से उन्होंने युवाओं के लिए कई क्षेत्र खोले हैं। जिससे आम नागरिक विकसित भारत के मिशन को आगे बढ़ाने जा रहा है। यह बजट एक फोर्स मल्टीप्लायर है, जो बचत, निवेश, खपत और विकास को तेजी से बढ़ाएगा।

आमतौर पर बजट का फोकस इस बात पर होता है कि सरकारी खजाना कैसे भरा जाएगा, लेकिन यह बजट उसके ठीक उलट है। यह बजट देश के नागरिकों की जेब कैसे भरेगी, देश के नागरिकों की बचत कैसे बढ़ेगी और देश के नागरिक विकास में कैसे भागीदार बनेंगे...इस बात की चिंता करता है। इस बजट में सुधार हेतु कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। विशेष कर यह बजट देश के विकास में सिविल न्यूक्लियर एनर्जी का बड़ा योगदान सुनिश्चित करेगा।

यूँ तो बजट में हर तरह से रोजगार के सभी क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गई है, फिर भी मैं उन सुधारों की चर्चा करना उचित समझता हूं जो आने वाले समय में बड़ा बदलाव लाने वाले हैं। खासकर इंफ्रास्ट्रक्चर का दर्जा देने से भारत में बड़े जहाजों के निर्माण को बढ़ावा मिलेगा। हम सभी जानते हैं कि शिप बिल्डिंग निर्माण सबसे ज्यादा रोजगार देने वाला क्षेत्र है। वहीं, देश में पर्यटन विकास की बहुत संभावनाएं हैं। इसलिए पहली बार होटलों को इंफ्रास्ट्रक्चर के दायरे में लाकर 50 महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों पर होटल बनाए जाएंगे। इससे आतिथ्य क्षेत्र को ऊर्जा मिलेगी, जो रोजगार का बहुत बड़ा क्षेत्र है। वहीं, इस बजट में एक करोड़ पांडुलिपियों के संरक्षण के लिए श्ज्ञान भारत मिशनश शुरू किया गया है। इसके तहत भारतीय ज्ञान परंपरा से प्रेरित एक राष्ट्रीय डिजिटल रिपोजिटरी बनाई जाएगी, यानी तकनीक का भरपूर उपयोग किया जाएगा। वहीं, इस बजट में किसानों के लिए की गई घोषणा कृषि क्षेत्र और पूरी ग्रामीण अर्थव्यवस्था में एक नई क्रांति का आधार बनेगी। किसान क्रेडिट कार्डश की सीमा बढ़ाकर 5 लाख रुपये की जाएगी, जिससे उन्हें और मदद मिलेगी।

बता दें कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त वर्ष 2025–26 के लिए 1 फरवरी, 2025, दिन शनिवार को संसद में बजट पेश किया, जो उनका लगातार 8वां बजट था। यह बजट आर्थिक सर्वेक्षण के अनुरूप रहा। क्योंकि उन्होंने मिडिल क्लास को राहत देते हुए न्यू टैक्स रिजीम के तहत 12 लाख रुपये सालाना तक की इनकम को आयकर के दायरे से बाहर रखने का ऐलान किया। इससे नौकरीपेशा वर्ग के करोड़ों लोगों को फायदा होगा।

वहीं, उन्होंने किसान और महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत करने पर जोर देते हुए कहा कि देश तेज गति से आगे बढ़ रहा है। हम दुनिया की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था हैं। स्वास्थ्य और रोजगार पर हमारा खास ध्यान है। युवाओं को रोजगार देना सरकार की प्राथमिकता है। इस बजट में प्रस्तावित विकास उपाय 10 व्यापक क्षेत्रों में हैं, जिनमें गरीबों, युवाओं, किसानों और महिलाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

केंद्रीय वित्त मंत्री ने यह भी कहा कि हमारी अर्थव्यवस्था सभी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ रही है। पिछले 10 सालों के हमारे विकास ट्रैक रिकॉर्ड और संरचनात्मक सुधारों ने दुनियाभर का ध्यान आकर्षित किया है। इस दौरान भारत की क्षमता को लेकर विश्वास बढ़ा है। इसी कड़ी में अब बिहार में मखाना बोर्ड का गठन किया जाएगा। मखाना के उत्पादन, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और विपणन को बेहतर बनाने के लिए मखाना बोर्ड की स्थापना की जाएगी। इस कार्य में लगे लोगों को एफपीओ के रूप में संगठित किया जाएगा।

वित्त मंत्री ने कहा, स्टार्टअप के लिए लोन गारंटी शुल्क कम करेंगे। एमएसएमई के लिए लोन 5 करोड़ से बढ़ाकर 10 करोड़ कर दिया गया है। किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा 3 लाख से 5 लाख की गई है। डेयरी और फिशरी के लिए अब पांच लाख तक का लोन दिया जाएगा। इससे इस वर्ष का बजट मेक इन इंडिया को आगे बढ़ाने, एमएसएमई को समर्थन देने, रोजगार आधारित विकास को सक्षम करने, लोगों की अर्थव्यवस्था और नवाचार में निवेश करने, ऊर्जा आपूर्ति को सुरक्षित करने पर केंद्रित है। यह बजट सरकार की राजस्व और व्यय रणनीति के लिए एक सामान्य रोड मैप प्रदान करता है। बजट 2025 युवाओं, महिलाओं और किसानों पर केंद्रित है। वित्त मंत्री ने उल्लेख किया कि यह बजट सरकारी प्रयासों को जारी रखता है– विकास में तेजी लाने के लिए, सुरक्षित समावेशी विकास के लिए, निजी क्षेत्र के निवेश को बढ़ावा देने के लिए, घरेलू भावनाओं को ऊपर उठाने के लिए, भारत के बढ़ते मध्यम वर्ग की खर्च करने की शक्ति को बढ़ाने के लिए। आम बजट में जिन विषयों पर फोकस किया गया, उनमें मेक इन इंडिया को आगे बढ़ाना, एमएसएमई को समर्थन रोजगार आधारित विकास को सक्षम बनाना प्रमुख हैं। वहीं, लोगों की अर्थव्यवस्था और नवाचार में निवेश करना, ऊर्जा आपूर्ति सुरक्षित करना और निर्यात का समर्थन करना भी शामिल हैं। इस बजट में नवप्रवर्तन का पोषण व पीएम धन्य–धान योजना की घोषणा की गई है। वहीं, स्टार्टअप की सीमा 10 करोड़ से बढ़ाकर 20 करोड़ की गई। इस बजट में 5 नए परमाणु रियक्टर बनाने की घोषणा क्रांतिकारी कदम है। वहीं, मुद्रा योजना में होम स्टे के लिए योजना, सभी वित्तीय और गैर–वित्तीय परिसंपत्तियों पर दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ कर को 10ः से बढ़ाकर 12.5ः कर दिये जाने का सबको लाभ मिलेगा।

वहीं, कुछ वित्तीय परिसंपत्तियों पर पूंजीगत लाभ पर छूट की सीमा बढ़ाकर ₹1.25 लाख प्रति वर्ष कर दी गई। जबकि कुछ वित्तीय परिसंपत्तियों पर अल्पकालिक पूंजीगत लाभ कर को 15ः से बढ़ाकर 20ः कर दिया गया। वहीं, वायदा और विकल्प पर प्रतिभूति लेनदेन कर बढ़ा दिया गया। इसके अलावा, पांच वर्षों में एक करोड़ युवाओं को 500 शीर्ष कंपनियों में इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करने के लिए एक योजना की घोषणा की गई। जिसकी हर कोई सराहना कर रहा है।

इस बजट में प्रत्येक प्रशिक्षु को 12 महीनों के लिए वास्तविक जीवन के कारोबारी माहौल से परिचित कराया जाएगा और उन्हें ₹5,000 का भत्ता और ₹6,000 की एकमुश्त सहायता मिलेगी। वहीं, श्रमिकों, महिलाओं और निम्न आय वर्ग के लिए किफायती आवास यानी सरकार ने लोगों के सिर पर छत सुनिश्चित करने के लिए कई योजनाओं की घोषणा की है। वहीं, औद्योगिक श्रमिकों के लिए, व्यवहार्यता अंतर निधि और प्रमुख उद्योगों की प्रतिबद्धता के साथ सार्वजनिक–निजी भागीदारी के माध्यम से छात्रावास–प्रकार के आवास के साथ किराये के आवास की सुविधा दी जाएगी।

कार्यबल में अधिक महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए, उद्योग के सहयोग से कामकाजी महिलाओं के छात्रावास स्थापित किए जाएंगे। सरकार क्षेत्रीय और मंत्रिस्तरीय लक्ष्यों के साथ निर्यात सहायता मिशन शुरू करेगी। मिशन को वाणिज्य, एमएसएमई और वित्त मंत्रालय संयुक्त रूप से संचालित करेंगे। निर्यात सहायता मिशन विदेशी बाजारों में गैर–टैरिफ उपायों से निपटने के लिए निर्यात ऋण, सीमा पार फैक्टरिंग समर्थन और एमएसएमई को समर्थन तक आसान पहुंच की सुविधा प्रदान करेगा। कुल मिलाकर बीजेपी और उसके सहयोगी दलों के नेता जहां इस बजट की तारीफ कर रहे हैं और इसे लोक कल्याणकारी बता रहे हैं, वहीं विपक्ष के नेता इसकी आलोचना कर रहे हैं। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने बजट पर तंज कसते हुए कहा कि, वित्त मंत्री ने 4 इंजनों की बात की। वे हैं– कृषि, एमएसएमई, निवेश और निर्यात। ये इतने सारे इंजन हैं कि बजट पूरी तरह से पटरी से उतर गया है। उन्होंने आगे कहा, श्ऐसा लगता है कि बजट में बिहार को घोषणाओं का खजाना मिल गया है। यह स्वाभाविक है क्योंकि साल के अंत में वहां चुनाव होने हैं। लेकिन एनडीए के दूसरे स्तंभ यानी आंध्र प्रदेश की इतनी बेरहमी से अनदेखी क्यों की गई?' वहीं, कांग्रेस सांसद और पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम के बेटे कार्ति चिदंबरम ने कहा, श्हमें यह देखने की जरूरत है कि जो वादे पहले के बजट में किये गये थे क्या वे पूरे हुए? स्पष्ट तस्वीर पाने के लिए बजट को पढ़ने की जरूरत है। बिहार को लेकर हुई घोषणाएं स्वाभाविक थीं। यह राजनीति है।' जबकि कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने कहा, 'मैं यह नहीं समझ पा रहा हूं कि यह भारत सरकार का बजट था या बिहार सरकार का? क्या आपने केंद्रीय वित्त मंत्री के पूरे बजटीय भाषण में बिहार के अलावा किसी अन्य राज्य का नाम सुना?'

प्रकृति के वैभव और ऋंगार का वसंत

–चेतनादित्य आलोक–

हमारी संस्कृति इतना उदात्त है कि इसमें मनुष्य ही नहीं, बल्कि पेड़–पौधे, पशु, पक्षी, कीट–पतंग, नदियां, समंदर, धरती, आकाश, ग्रह, नक्षत्र व ऋतुएं आदि सभी को यथायोग्य स्थान एवं महत्व प्राप्त है। यहां मनुष्य केवल मनुष्य के प्रति ही स्नेह प्रकट नहीं करता, बल्कि प्रकृति को भी प्यार–सम्मान देता है। हम प्रकृति के सौंदर्य को अपने हृदय में बसाते हैं। प्रकृति तथा अदृश्य दैवीय शक्तियों के साथ अपने मन के उत्साह, हृदय के उल्लास एवं आत्मा के नवोन्मेष को बांटने का उत्सव मनाते हैं– 'वसंत का उत्सव।' दरअसल, वसंत प्रकृति के सौंदर्य के विस्तार की ऋतु है। माघ महीने के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को 'वसंत पंचमी' के नाम से जाना जाता है। इस दिन संपूर्ण कलाओं, काव्य, वाणी, वाद्य एवं संगीत के सौंदर्य की अधिष्ठात्री देवी सरस्वती की उपासना भी की जाती है। ऐसा प्रतीत होता है कि देवी सरस्वती के अभिनंदन में प्रकृति अपना शृंगार करती है। संपूर्ण वसुधा पर वसंत छा जाता है। प्रकृति के आनंद का प्रस्फुटन इस कालखंड को 'ऋतुराज' बना देता है।

वैसे तो हमारे देश में छह ऋतुएं होती हैं। ये सारी ऋतुएं महत्वपूर्ण हैं, लेकिन इनमें से शरद, वंसत और ग्रीष्म को हमारी संस्कृति में अत्यंत विशेष स्थान प्राप्त है। दरअसल, ये तीनों ही ऋतुएं प्रकृति और परमात्मा के त्रिगुणों– सत् यानी सत्व, रज एवं तम की द्योतक हैं। इनमें शरद में सत् की, वंसत में रज की और ग्रीष्म में तम की प्रधानता होती है। वसंत रज प्रधान इसलिए मानी जाती है, क्योंकि यह ऋतु प्रकृति के वैभव और शृंगार का प्रतीक है। यह किसी 'नवयौवना' की भांति अपने संपूर्ण वैभव एवं साज–शृंगार के साथ प्रकट होती है। वैसे, वसंत समृद्धि का प्रतीक भी है।

दरअसल, यही वह समय है, जब शरद के तप से समृद्ध हुई प्रकृति किसी अल्हड़ नवयौवना–सी खिलखिलाती, झूमती–गाती३ और वन–उपवन में वासंती बालियों, लताओं पर मदमस्त हो लहराती है। बता दें कि वसंत पंचमी से प्रारंभ होकर फागुन तक वसंत की मादकता, ऊर्जा, उसका उजास और उल्लास सब ओर कायम रहता है। जवां दिलों की धड़कन को बढ़ाने वाली और मस्ती की प्रतीक फागुन की फगुनाहट से घुल–मिलकर वसंत का सौंदर्य बहुगुणित हो जाता है। गौरतलब है कि वसंत का प्रतीक रंग पीला होता है, जो वास्तव में प्रसन्नता का द्योतक है। सब तरफ, वासंती रंग में रंगी प्रकृति हंसती, मुस्कराती प्रतीत होती है। देखा जाए तो वसंत संपूर्ण प्राणी जगत् को अपने रंग में रंग डालती है।

श्रीमद्भगवत गीता में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं कि ऋतुओं में मैं कुसुमाकर वसंत हूं– 'अहम ऋतुनाम कुसुमाकर।' मादकता, ऊर्जा, उजास, अल्हड़पन, उल्लास और यौवन से परिपूर्ण वसंत, जो मनुष्य के ही नहीं, बल्कि संपूर्ण प्राणी जगत् के नवोन्मेष की ऋतु है। वसंत नित्य–निरंतर और सदा–सर्वदा युवा रहने वाला है। बता दें कि शृंगार वसंत का स्थाई भाव है, जबकि यौवन इसकी स्थाई अवस्था है। यह यौवन का प्रतीक है।

वसंत ऋतु ही उस सौभाग्यशाली कालखंड का नेतृत्व करती है, जिसमें भगवान शिव और माता पार्वती की दिव्य प्रेम कथा, जो कि इस सृष्टि का प्रथम प्रेम–प्रसंग भी है, पूर्णता को पाती है। कथा है कि कामदेव ने भगवान शिव की समाधि भंग करने के लिए वसंत के ही कोमल पुष्पों से सजे तीर का प्रयोग किया था।

वसंत साहित्यकारों, कलाकारों, संस्कृतिकर्मियों और गीतकारों की प्रिय ऋतु है। यही कारण है कि इसका वर्णन–चित्रण प्रायः प्रत्येक युग और काल की रचनाओं में मिलता है। प्राचीनकाल से लेकर आधुनिक काल के रचनाकारों तक में शायद ही कोई ऐसा हुआ हो, जिसे वसंत के अप्रतिम सौंदर्य, रस, रंग, रूप, गंध, स्पर्श आदि ने मुग्ध और मोहित नहीं किया हो। पुराणों, वेदों, स्मृतियों आदि धर्म ग्रंथों, भक्तकवि जयदेव के गीत गोविंद, महर्षि वाल्मीकि रचित रामायण और गोस्वामी तुलसीदास के रामचरित मानस से लेकर जयशंकर प्रसाद की कामायनी समेत केशव, बिहारी एवं अन्य रीति कालीन कवियों की रचनाओं में वसंत के सौंदर्य का अप्रतिम वर्णन हुआ है। वहीं, आधुनिक युग के छायावादी रचनाकारों ने अपनी महत्वपूर्ण रचनाओं में इसे यौवन की ऋतु बताया है।

वसंत उसके ही जीवन में घटित होता है, जो जीवन के विविध संघर्षों, प्रतिकूलताओं, विरोधाभासों और अंधकारों पर विजय प्राप्त करता है। भगवान शिव के जीवन से प्रेरणा ली जा सकती है, जहां प्रधानता मन के बसंत की है।

एकल परिवारों के चलन का संकट

–प्रियंका सौरभ–

एकल परिवारों के बढ़ते प्रभाव ने, जिसमें माता–पिता और बच्चों के छोटे परिवार शामिल हैं, अपने स्वयं के परिवार के समूह को काफी प्रेरित किया है, विशेष रूप से मूल्यों को विकसित करने में इसके पारंपरिक कार्य को। शहरीकरण, वित्तीय दबावों और व्यक्तिवादी जीवन शैली के माध्यम से प्रेरित इस बदलाव ने मूल्यों को हस्तांतरित करने के तरीके को बदल दिया है। जबकि एकल परिवार स्वतंत्रता और निजी विकास की अनुमति देते हैं, इसके अलावा उन्हें सांस्कृतिक, नैतिक और नैतिक मूल्यों को प्रसारित करने में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जो पहले विस्तारित स्वयं के परिवार के ढांचे के माध्यम से मजबूत होते थे। मूल्यों को विकसित करने के लिए एक संस्था के रूप में परिवार पर प्रभाव मूल्य संचरण में विस्तारित परिवार की भूमिका कम हो गई है।

पारंपरिक संयुक्त परिवारों में, दादा–दादी, चाचा और चाची ने कहानी सुनाने, सलाह देने और बड़ों के लिए पहचान और नेटवर्क भावना जैसे सामूहिक मूल्यों को लागू करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। एकल परिवारों के साथ, यह अंतर–पीढ़ीगत सम्बंध कमजोर हो गया है, जिससे बच्चों के विभिन्न दृष्टिकोणों के संपर्क में आने पर रोक लग गई है। कन्फ्यूशियस ने सद्गुण की पहली क्षमता के रूप में अपने परिवार के सदस्यों पर जोर दिया। बहु–पीढ़ीगत जीवन की गिरावट भी इस नैतिक शिक्षा को कमजोर कर सकती है।

एकल परिवारों में, माता–पिता मूल्यों की आपूर्ति का पूरा बोझ उठाते हैं, नियमित रूप से पेशेवर प्रतिबद्धताओं के साथ इसे जोड़ते हैं। इससे समय की कमी या तनाव के कारण कमी आ सकती है। शहरी एकल परिवार सहानुभूति या धैर्य की कोचिंग पर शैक्षिक पूर्ति को प्राथमिकता दे सकते हैं, जिससे बच्चों में व्यक्तिवादी दृष्टिकोण पैदा होता है।

एकल परिवार स्वायत्तता, निर्णय लेने और व्यक्तिगत जिम्मेदारी जैसे मूल्यों को बढ़ावा देते हैं, जो वर्तमान सामाजिक मांगों के साथ संरेखित होते हैं। जॉन स्टुअर्ट मिल ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता को व्यक्तिगत और सामाजिक प्रगति के लिए आवश्यक गुणों के रूप में महत्त्व दिया, जिसे एकल परिवार प्रभावी रूप से बेचते हैं। एकल परिवार अक्सर अपने परिवार की जरूरतों को प्राथमिकता देते हैं, जिससे निस्संदेह सामूहिक मूल्यों जैसे कि साझा करना, त्याग करना और आपसी सहायता के प्रति जागरूकता कम हो जाती है, जो संयुक्त परिवार व्यवस्था के लिए आवश्यक थे। त्यौहार, जो कभी संयुक्त परिवारों में नेटवर्क और सांस्कृतिक बंधन को मजबूत करते थे, अब एकांत में मनाए जाने लगे हैं। जबकि पारंपरिक व्यवस्थाएँ कमजोर होती जा रही हैं, एकल परिवार शिक्षा के लिए स्कूलों, साथियों के समूहों और आभासी प्रणालियों पर अधिक से अधिक निर्भर होते जा रहे हैं।

हालाँकि, निजी सलाह की कमी से नैतिक विकास में भी कमी आ सकती है। एकल परिवारों में, एक से अधिक पदों के मॉडल की अनुपस्थिति बच्चों की कई गुणों को देखने और उनका अध्ययन करने की क्षमता को भी सीमित कर सकती है। एकल परिवारों के बढ़ते जोर ने मूल्यों को विकसित करने में परिवार की स्थिति को नया रूप दिया है। स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देते हुए, यह अक्सर विस्तारित परिवारों द्वारा प्रदान की गई सामूहिक जानकारी और सांस्कृतिक परंपराओं के प्रति जागरूकता को कम करता है। इस अंतर को पाटने के लिए, एकल परिवारों को सुखद पालन–पोषण, नेटवर्क कनेक्शन को बढ़ावा देने और जिम्मेदारी से आधुनिक उपकरणों का लाभ उठाने पर जोर देते हुए सचेत रूप से अनुकूलन करना चाहिए। जैसा कि कन्फ्यूशियस ने कहा, षराज्य की ऊर्जा घर की अखंडता से प्राप्त होती है,ष इस बात पर प्रकाश डालते हुए कि परिवार, चाहे किसी भी संरचना में हों, नैतिक नागरिकों को आकार देने के लिए मूल्यवान बने रहते हैं।

एकल परिवार–परिवार प्राइमेट मानव समाज की एक षजैविकष घटना है। यह मानव विकास के विकासवादी संग्रह में एक अनुकूली रूप नहीं है और न ही आर्थिक समाज की एक उपयोगी चीज है। बल्कि यह मानव समय और सामाजिक स्थान में लगभग प्रथागत है। इसका केंद्रक पति–पत्नी और माता–पिता–बच्चों की एक इकाई है। इसका सामान्य रूप अक्सर मृत्यु या परित्याग या संतान की हानि के कारण गलत हो जाता है, लेकिन इसका मॉडल रूप अधिकतम स्थिर होता है। सभी परिस्थितियों में परिवार के भीतर पति या पत्नी के बुजुर्ग माता–पिता और कभी–कभी अतिरिक्त दूरस्थ परिवार होने की प्रवृत्ति होती है, हालांकि वे अर्ध–बाहरी कारक किसी अन्य कारण से नहीं बल्कि आवश्यकता और पितृभक्ति से अधिक होते हैं। अलग–अलग सामाजिक परिस्थितियों में एकल परिवार 'कुलों' , जातियों, गांवों और सार्वजनिक विनियमन के माध्यम से विभिन्न तरीकों का उपयोग करके बाहरी समाज में एकजुट होते हैं।

वेटलैंड को पर्यटन से जोड़ने की जरूरत –मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

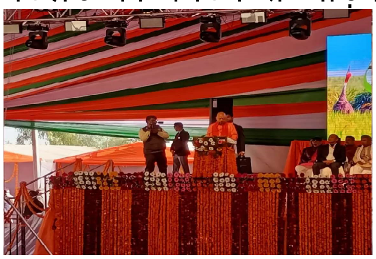

संवाददाता– गोण्डा। जिले की वजीरगंज ब्लॉक क्षेत्र में स्थित पार्वती अरगा झील पर आयोजित वेटलैंड दिवस के कार्यक्रम को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संबोधित करते हुए कहा कि गोंडा के लिए आज बड़ा दिन है। पार्वती अरगा को अब राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान मिलेगी। मुख्यमंत्री योगी ने सांसद केंद्रीय पर्यावरण, वन व जलवायु विदेश राज्यमंत्री कीर्तवर्धन सिंह की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह प्रयास आर्द्रभूमि के संरक्षण व संवर्धन के लिए मील का पत्थर साबित होगी। केंद्रीय राज्यमंत्री कीर्तवर्धन सिंह ने कहा कि पार्वती अरगा का समग्र विकास मुख्यमंत्री के नेतृत्व में हो रहा है। अयोध्या के पास होने से यहाँ पर पर्यटन की आपार संभावना है। अयोध्या से देवी पाटन के बीच एक नया प्रकृति संस्कृति पर्यटन का कॉरिडोर बनेगा। जिससे रोजगार को बढावा मिलेगा। उन्होंने पार्वती अरगा के महत्व से अवगत कराया।

उत्तर प्रदेश में 1,33,434 वेटलैंडस हैं। जो इसके भौगोलिक क्षेत्र का 5.16 प्रतिशत हैं। ये वेटलैंडस प्रमुख रूप से गंगा, यमुना, रामगंगा, घाघरा, गोमती और राप्ती नदियों की घाटियों में स्थित हैं। इस राज्य में दस रामसर स्थल हैं। जो गंगा नदी का ऊपरी भाग, जो राज्य का पहला रामसर स्थल है। हैदरपुर वेटलैंडस, नवीनतम रामसर स्थल तक शामिल हैं। रामसर स्थलों की संख्या के मामले में उत्तर प्रदेश तमिलनाडु के बाद देश में दूसरे स्थान पर आता है। उन्होंने बताया कि पार्वती अरगा पक्षी विहार को अंतर्राष्ट्रीय स्तर के रामसर स्थल के रूप में सन 2019 में मान्यता मिली। गोंडा में 100 से अधिक छोटे बड़े वेटलैंडस हैं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि गोंडा की वेटलैंडस सिटी के रूप में पहचान बनने की पूरी संभावना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह आयोजन झील को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने और इसे संरक्षण के लिए एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है। यह झील वर्षों से अपनी जैव विविधता के लिए जानी जाती है। लेकिन अब इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलने जा रही है। सरकार ने इसे एक महत्वपूर्ण वेटलैंड साइट के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है। इस आयोजन का उद्देश्य वेटलैंड्स (आर्द्रभूमि) के संरक्षण और उनके महत्व को उजागर करना था।

जीवन के लिए पारिस्थितिक तंत्र का संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। पिछले 10 वर्षों में देश में 63 रामसर साइट्स को मान्यता मिली है। जो कि पिछले 65 वर्षों की तुलना में बहुत बड़ा कदम है। इस दशक में हमने 89 रामसर साइट्स को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिन्हित करने का लक्ष्य रखा है। योगी ने झील की जैव विविधता और प्रवासी पक्षियों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि इस झील में हजारों किलोमीटर दूर से प्रवासी पक्षी आते हैं। जो पर्यावरणीय संतुलन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मुख्यमंत्री ने इस बात पर चिंता व्यक्त की कि भारत में कई महत्वपूर्ण वेटलैंड्स अतिक्रमण के कारण नष्ट हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि झीलों और अन्य आर्द्रभूमियों को संरक्षित करने के लिए कड़े कदम उठाए जाएंगे। इस तरह की साइट्स को अक्सर अतिक्रमण का सामना करना पड़ता है। हमने देखा है कि देश में कई महत्वपूर्ण झीलें और जलाशय इसी कारण नष्ट हो गए हैं। सरकार ऐसे क्षेत्रों को संरक्षित करने के लिए नई योजनाओं पर काम कर रही है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और स्थानीय उत्पादों की मार्केटिंग पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि वनटांगिया समुदाय और अन्य ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार उन्हें ऑनलाइन प्लेटफार्म से जोड़ेगी। ''पहले लोग स्थानीय उत्पाद बनाते थे। लेकिन उन्हें उचित बाजार नहीं मिल पाता था। अब अमेजन जैसी ई–कॉमर्स कंपनियों के साथ समझौता किया है। जिससे स्थानीय उत्पादों को ऑनलाइन बेचा जा सकेगा। इससे हमारे कारीगरों और स्वंय सहायता समूहों की महिलाओं को आत्मनिर्भरता मिलेगी। इस इलाके में इको टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए यूपी सरकार टिकरी जंगल को ओपन सफारी के रूप में विकसित करने की योजना पर काम हो रहा है। इससे मंडल और अवध क्षेत्र में टूरिज्म को नया आयाम मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस क्षेत्र को बेहतर कनेक्टिविटी से जोड़ने की जिम्मेदारी सरकार की होगी। आदित्यनाथ ने सरयु नहर परियोजना का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार इस झील को इस महत्वपूर्ण नहर परियोजना से जोड़ने का प्रयास कर रही है। इससे झील में जल आपूर्ति सुनिश्चित होगी। जल स्तर बना रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि ''सरयु नहर परियोजना से इस झील को जोड़ा जाएगा। ताकि यहां जल की निरंतरता बनी रहे और पारिस्थितिक तंत्र सुरक्षित रहे। इससे क्षेत्र में कृषि और जल आपूर्ति को भी लाभ मिलेगा।

इस अवसर पर केंद्रीय राज्यमंत्री कीर्तवर्धन सिंह, गोंडा जिला प्रभारी मंत्री दारा सिंह चौहान, प्रदेश के वन मंत्री डॉ अरुण कुमार सक्सेना, वन राज्यमंत्री के पी मलिक, वन महानिदेशक सुशील कुमार अवस्थी व अन्य अतिथियों ने पार्वती अरगा इंटीग्रेटेड मैनेजमेंट प्रोग्राम, 85 रामसर साइट व वनटांगिया समुदाय पर केंद्रित कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया।

रास नहीं आया प्रेम विवाह, छोड़ा साथ, मिली सलाह तो साथ चल पड़ा एक बिखरा परिवार

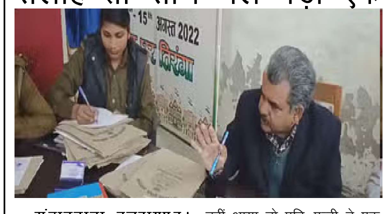

संवाददाता–बलरामपुर। छोटी–छोटी बातों पर बिखरने वाले परिवारों को जोड़ने में परामर्श केंद्र अहम भूमिका निभा रहा है। महिला थाना में रविवार को पारिवारिक विवादों की सुनवाई कर परामर्शदाताओं ने सुलह–समझौता कराया। 19 में दो मामलों का निस्तारण हुआ। डेढ़ साल से बिखरा परिवार एक साथ रहने को राजी हो गया। परिवार परामर्श केंद्र में आई शिकायतों के आधार पर दोनों पक्षों को बुलाया गया था। सभी मामले पति– पत्नी के बीच रहे, जो विवाद होने के बाद से अलग रह रहे हैं। सुनवाई में तुलसीपुर थाना क्षेत्र के एक मामले में प्रेम विवाह रास नहीं आया तो पति–पत्नी ने एक दूसरे का साथ छोड़ दिया। समझाने के बाद अगली तारीख पर फिर बुलाया गया है। थाना महराजगंज तराई क्षेत्र का एक मामला पत्नी की जिद का मिला। पति व ससुर साथ ले जाने को तैयार थे, लेकिन पत्नी ने जाने के लिए हस्ताक्षर नहीं किया। इन्हें भी अगली तारीख पर बुलाया गया है। तुलसीपुर थाना क्षेत्र के एक मामले में दो बच्चे होने के बाद पति–पत्नी अलग हो गए। परामर्शदाताओं ने पूरी बात सुनी और पति–पत्नी को समझाया, आपसी समझ के बाद दोनों एक साथ जाने को तैयार हो गये। ललिया थाना क्षेत्र के एक मामले को न्यायालय भेज दिया गया। परामर्शदाता अरुण कुमार यादव, देवतादीन दुबे, महिला थाना प्रभारी विनीता चतुर्वेदी एवं महिला कांस्टेबिल ज्योति व मनीषा ने सुनवाई के दौरान आपस में मिलजुल कर रहने के तरीके बताए। साथ ही पति–पत्नी को समझाया कि पारिवारिक तरक्की के लिए एक साथ रहना चाहिए। बच्चों के भविष्य पर पारिवारिक विवाद का असर पड़ता है।

17 मामलों में दोनों पक्षों को बुलाने के दिए गए निर्देश एएसपी नम्रिता श्रीवास्तव ने बताया कि जिन 17 मामलों में समझौता नहीं हो सका, उन्हें आगे सुना जाएगा। कुछ मामलों में दूसरे पक्ष से जुड़े अन्य लोग नहीं आ सके थे, उन्हें भी बुलाने के लिए संबंधित थानों को सूचना दी गई है। इसके अलावा जिस एक तीन मामले में समझौता हुआ है, दोनों पक्ष की लिखापढ़ी करा ली गई है। प्रत्येक 15 दिनों में परिवार की खैरियत भी महिला थाने से जानी जाएगी। जिससे फिर किसी तरह का विवाद न होने पाए।

आपस में टकराई दो बाइकें ट्रक की चपेट में आईं, दो महिलाएं गंभीर

संवाददाता–देवरिया। गौरीबाजार में आपस में टकराई दो बाइकें तेज रफ्तार में आ रहे ट्रक की चपेट में आ गईं। एक बाइक पर सवार दो युवक, दूसरी बाइक पर सवार दो महिलाओं समेत तीन लोग घायल हो गए। बताया जाता है कि ट्रक का पहिए दोनों महिलाओं के पैरों पर चढ़ गया। बाइक सवार घायलों को आसपास के लोगों ने एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजा। गौरीबाजार के सोहसा निवासी अमित कुमार रविवार को दोपहर में बाइक से गौरीबाजार आ रहे थे। बाइक के पीछे दो परिवार की दो महिलाएं रागिनी व ममता बैठी थी। गौरीबाजार–हाटा मार्ग पर रामपुर के समीप पीछे से आ रही बाइक इनकी बाइक से टकरा जाने से अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गए। उसी दौरान गौरीबाजार के तरफ से तेज रफ्तार में आ रह ट्रक सड़क पर गिरी बाइक पर चढ़ गया। इस हादसे में एक बाइक पर सवार अमित कुमार, रागिनी व ममता, दूसरी बाइक पर सवार क्षेत्र के डूमरी निवासी मंटू यादव पुत्र राजकुमार, अंकित पटेल पुत्र बलराम घायल हो गए। आसपास के लोगों ने घायलों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजा। अनियंत्रित होकर सड़क पर गिरी बाइक सवार दोनों महिलाओं के पैर पर ट्रक का पहिया चढ़ गया है। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में ले लिया है।

वन्य जीव सुरक्षा को लेकर ग्रामीणों को किया जागरूक

संवाददाता–महराजगंज। उत्तरी चौंक रेंज घोड़हवा बीट के ग्राम पंचायत जिगिना टोला गंगापुर चौराहे पर रेंजर आरपी सिंह के नेतृत्व में वन्य जीव संरक्षण को लेकर ग्रामीणों के साथ बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में वन्य जीवों की सुरक्षा व संरक्षण को लेकर लोगों को जागरूक किया गया। रेंजर ने कहा कि वन में आग लगने से छोटे–छोटे पौधे जलकर खाक हो जा रहे हैं। इसकी वजह से वन्य जीव जंतु जंगल से बाहर निकल कर कृषि क्षेत्रों में फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। जब पेड़ पौधे नहीं रहेंगे तो पर्यावरण खतरे में आ जायेगा, जिससे मानव जीवन भी खतरे में पड़ जाएगा। वन्य जीवों की सुरक्षा व संरक्षण करना सबकी जिम्मेदारी है। पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए लोगों से पेड़ लगाने की अपील की। इस दौरान वनरक्षक राजेश कुमार श्रीवास्तव, कपिल मुनि मिश्रा, प्रधान राम नयन, राकेश कुमार पटेल, ग्रामीण शमशाद खान, अंगद यादव, मुख्तार, ओमप्रकाश भारती, अर्जुन राजभर, शमशुल खान सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

एक सूत्र में जोड़ने का कार्य कर रहे हैं पंडित कल्कि राम

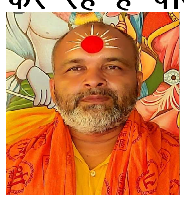

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या।भगवती महा सरस्वती जी की प्रेरणा से वर्ष 2019 में बसन्त पंचमी के शुभ दिवस पर रामादल की स्थापना हुई थी और उसके तुरन्त बाद आई कोरोना जैसी वैश्विक आपदा में रामादल ने स्थानीय स्तर से लेकर वैश्विक स्तर तक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्थापना दिवस पर भगवती शारदा की प्रसन्नता अनुकूलता हेतु आयोजित धार्मिक अनुष्ठान की जानकारी देते हुए रामादल अध्यक्ष पण्डित कल्कि राम ने बताया कि सनातन धर्म संस्कृति को शसक्त बनाने की दिशा में सनातनी भाई बहनों को शास्त्र के साथ साथ शस्त्र पूजन से जोड़ने के लिए प्रोत्साहित करने का महाअभियान शुरू करने का आज संकल्प लिया गया आगामी बसन्त पंचमी वर्ष 2026 तक 5 करोड़ सनातनियों को शस्त्र पूजन से जोड़ने हेतु प्रोत्साहित कर जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। कोरोना काल खण्ड विश्व की सबसे बड़ी त्रासदी थी जिसमें स्थानीय स्तर पर अनुमानित एक लाख से अधिक लोगों तक रामादल ने सम्पर्क कर अपनी सेवाएं दी तो वही प्रधानमंत्री मोदीजी के एक परिवार की जिम्मेदारी उठाने के आवाहन पर हजारों परिवार की जिम्मेदारी का कुशलता पूर्वक निर्वहन किया। मानव जाति की रक्षा हेतु विशेष धार्मिक आयोजन का आयोजन भी किया जिसमें दुनिया के कई देशों में रह रहे अप्रवासी भारतीय भी सोशल मीडिया के माध्यम से सम्मिलित हुए और पूर्ण लाभ प्राप्त किया। गजवा ए हिन्द की मंशा संजोए देश में फल फूल रहे आस्तीन के सांपों से भावी पीढ़ी के स्वर्णिम सुरक्षित भविष्य को ध्यान में रखकर वर्तमान में रामादल मंत्र शक्ति से प्रेरित हो इच्छानुरूप परिणाम देने वाले अमोघ दिव्यास्त्रों पर शोध अनुष्ठान का आयोजन संचालित कर रखा है जिसके अन्तर्गत महादेवी की विशिष्ट उपासना का कर्म संचालित है।

पिछड़ों को एकजुट करने का संदेश है पीडीए पर्चा अभियान -मनीष

संवाददाता–देवरिया। समाजवादी पार्टी ने हर घर पीडीए पर्चा अभियान शुरू किया है। रविवार को रामपुर कारखाना विधानसभा क्षेत्र के शहबाजपुर से विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष प्रभुनाथ यादव की अध्यक्षता में अभियान की शुरूआत की गयी। जिसमें पार्टी के प्रवक्ता मनीष सिंह मौजूद रहे। सपा पार्टी को मजबूत बनाने के लिए हर घर पीडीए पर्चा अभियान चला रही है, अभियान की शुरूआत रविवार को रामपुर कारखाना के शहबाजपुर गांव से शुरू हुआ । इस दौरान सपा प्रवक्ता श्री सिंह ने कहा कि पीडीए पर्चा कोई साधारण पर्चा नहीं बल्कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का शोषित, वंचित और पिछड़े लोगों को एकजुट करने का संदेश है। अखिलेश यादव की पीडीए नीति का असर उत्तर प्रदेश की जनता बीते वर्ष लोकसभा चुनाव में देख चुकी है। पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक के साथ–साथ शोषित–वंचित समाज का हर व्यक्ति आज सपा की तरफ आशा और विश्वास के साथ देख रहा है। कार्यक्रम को पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक कुशवाहा ,विशेष आमंत्रित सदस्य प्रदेश कार्यकारिणी उमेश नारायण शाही, अरविंद, संदीप भारती,धीरेन्द्र यादव ने भी सम्बोधित किया। इस दौरान सुनील शर्मा, सोनू प्रकाश, सुनील श्रीवास्तव, सोनू खरवार, राहुल कुमार, विकास यादव, बीडीसी संदीप यादव, सोनू कुमार, सुशील आदि उपस्थित रहे।

चित्तौरा झील पर श्रद्धा के साथ मनाई सुहेलदेव जयंती

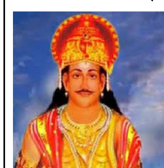

संवाददाता–बहराइच। राष्ट्र रक्षक वीर शिरोमणि जन्म जयंती समारोह सुहेल देव चित्तौरा झील पर श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सैंकड़ों श्रधालुओ ने महाराजा सुहेल देव को राष्ट्र नायक बताते हुए उन्हें सनातन धर्म का गौरव बताया तथा राष्ट्र की एकता और अखंडता का संकल्प लिया। सुहेल देव स्मारक परिसर में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि एमएल सी. पदम सेन चौधरी ने कहा कि महाराजा सुहेल देव ने राष्ट्र नायक थे जिन्होंने अपने पराक्रम से भारत में अपना डंका बजाया। विशिष्ट अतिथि विधायक सुभाष त्रिपाठी ने कहा कि महाराजा सुहेल देव जी सनातन धर्म के गौरव थे जिन्होंने सनातन धर्म की रक्षा के लिए उत्तर भारत के राजाओं को इकट्ठा करके विरोधियों को चित्तौरा की धरती पर मार गिराया था। विशिष्ट अतिथि विधायक राम निवास वर्मा ने कहा कि महाराजा सुहेल देव के जीवन को आत्म सात कर हमे राष्ट्रीय एकता व अखंडता के लिए काम करना चाहिए कार्यक्रम की अध्यक्षता राजा भैया यश्वेंद्र विक्रम सिंह अध्यक्ष सुहेल देव स्मारक समिति ने की।कहा कि महाराजा सुहेल देव हमारे महान पराकर्मी शासक थे जिनके विजई गाथा को जन जन तक पहुंचाने के लिए जन जागरण अभियान चलाए जाने की बहु आयामी योजना बनाई गई है कार्यक्रम का संचालन महामना मालवीय मिशन अवध क्षेत्र अध्यक्ष संजीव श्रीवास्तव एडवोकेट ने किया व धन्यवाद ज्ञापन संविधान विशेषज्ञ एवं पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी ने किया।आयोजित जन्म जयंती समारोह में प्रमुख रूप से महिला समिति राष्ट्रीय अध्यक्ष निशा शर्मा , महामंत्री डॉ.अनीता जायसवाल , ग्राम प्रधान बाबा रंजीत दास आदि थे।

पीडीए पंचायत में अखिलेश यादव को सीएम बनाने का संकल्प

संवाददाता–बलरामपुर। उतरौला विधान सभा के घासी पोखरा बाजार में समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव शत्रोहन प्रसाद वर्मा के नेतृत्व में पीडीए पंचायत का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूर्व जिला पंचायत सदस्य मोहम्मद तालिब, पूर्व सपा जिला सचिव मोहम्मद अबरार खान ने उपस्थित लोगों को पीडीए की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही अखिलेश यादव को 2027 में उत्तर प्रदेश का सीएम बनाने का संकल्प लिया गया। प्रदेश सचिव शत्रोहन प्रसाद वर्मा ने बताया कि सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर विधानसभा की प्रत्येक पंचायत के हर वार्ड में पीडीए पंचायत कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन पंचायतों का मुख्य उद्देश्य जनता को जागरूक करना, वर्तमान सरकार के कथित झूठ को उजागर करना और समाज के सभी वर्गों को उनका अधिकार दिलाना है। उन्होंने उपस्थित लोगों से आगामी विधान सभा चुनाव में सपा सरकार बनाने की अपील की। इस दौरान पूर्व जिला पंचायत सदस्य मोहम्मद तालिब, दीपक वर्मा, अब्बास, मोहम्मद अबरार खान, मुस्ताक, घनश्याम, चिट्टू यादव, काशीराम यादव आदि मौजूद रहे।

गार्ड आफ आनरः सलामी देने के बाद अचानक चल गई गोली, बच गई जान

संवाददाता–देवरिया। थाना क्षेत्र के ग्राम जिरासो घाट पर शनिवार की देर रात एयर फोर्स विंग गोरखपुर में तैनात एयर फोर्स जवान की मौत के बाद शव के दाह संस्कार के समय गार्ड ऑफ ऑनर दिया जा रहा था। गार्ड ऑफ ऑनर में तीन गोली ऊपर चलाने के बाद एक जवान जैसे ही राइफल नीचे कर रहा था उसी दौरान अचानक सामने फिर से फायरिंग हो गई। सामने खड़े सभासद सहित कई लोग बाल बाल बच गए। इससे वहां अफरा–तफरी मच गई। नगर पंचायत भाटपार रानी वार्ड नंबर पांच के रामपुर लिटिहा निवासी शिव प्रकाश पटेल (45) पुत्र लुट्टू पटेल एयर फोर्स विंग गोरखपुर में तैनात थे। एक दिन पूर्व उनकी हार्ट अटैक से मौत हो गई थी। पोस्टमार्टम के बाद शनिवार की देर शाम शव भाटपार रानी पहुंचा। शव आते ही परिवार में चीख पुकार मच गई। पत्नी से पहले ही उनका तलाक हो चुका है। उनकी एक बेटी है जो विदेश में रहती है। जिरासो घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। मृतक के भाई संतोष पटेल ने उन्हें मुखाग्नि दी। शव के साथ गार्ड ऑफ ऑनर देने एयर फोर्स के जवान भी आए थे। रात्रि में 11रू00 बजे शव के दाह संस्कार के समय जिरासो घाट पर गार्ड ऑफ ऑनर देते समय तीन गोली ऊपर दागने(चलाने) के बाद एक जवान द्वारा राइफल नीचे करते समय अचानक चौथी गोली चल गई। सामने खड़े भाटपार रानी नगर पंचायत वार्ड नंबर 1 के सभासद आदित्य सिंह मोनू ,वार्ड नंबर पांच रामपुर लिटिहा के सभासद कैलाश यादव, राजेश यादव सहित कई लोग बाल–बाल बच गए। यह देख घाट पर अफरा–तफरी मच गयी। संयोग था कि गोली सामने नीचे जमीन की तरफ फायर हुई, जिससे बड़ी घटना होते–होते बच गई। सभासद आदित्य सिंह मोनू एवं कैलाश यादव आदि ने एयरफोर्स के जवानों पर आरोप लगाते हुए बताया है कि घटना को छिपाने के लिए एयर फोर्स के आए जवान सबका मोबाइल लेकर वीडियो और फोटो डिलीट करने लगे। आदित्य सिंह मोनू ने बताया कि गोली उनके पास से होकर गुजरी थी। जिससे वह थर–थर कांपने लगे और अभी भी वे सहज नहीं हो पाए हैं। एयर फोर्स विंग गोरखपुर में तैनात मृतक शिव प्रकाश पटेल का 15 वर्ष पूर्व पत्नी से न्यायालय द्वारा डाइवोर्स हो चुका है। वह दो भाइयों में बड़ा था। संतोष पटेल छोटा भाई घर पर ही रहता है। मृतक शिव प्रकाश की एक लड़की है जो यूरोप में शिक्षा ग्रहण कर रही है। वह मृतक जवान के साथ रहती है।

संदिग्ध जानवर की आहट से हलकान रहे लोग

संवाददाता–श्रावस्ती। गांव में संदिग्ध जानवर की आहट से ग्रामीण दहशत में आ गए। लाठी डंडे से लैश ग्रामीण टार्च के सहारे गांव के बाहर बाग व झाड़ियों में घंटो तलाश करते रहे। लेकिन लोगों को कोई जीव नहीं दिखा। इसके बाद भी लोग एहतियातन रात भर जागते रहे। सिरसिया थाना क्षेत्र के चिल्हरिया गांव में शनिवार आधी रात तक अफरा तफरी मची रही। गांव निवासी वृद्धा फूलमती घर के सामने बने मंदिर के पास छोटे छोटे बच्चों के साथ खड़ी थी। इस दौरान मंदिर के पास ही खेत में उन्हें कोई संदिग्ध जीव दिखाई दिया। फूलमती व बच्चे बाघ आया कहते हुए शोर मचाने लगे। शोर सुनकर ग्रामीण लाठी डंडा व टार्च लेकर दौड पड़े। महिला के बताए स्थान समेत ग्रामीण गांव के बाहर खेत, बाग व झाड़ियों में तलाश करने लगे। लेकिन उन्हें कोई जीव नहीं दिखा। इसके बाद भी लोग घंटों हलकान रहे। लोगों को न तो कोई जीव दिखा और न ही पगचिन्ह दिखाई दिया। इसके बाद ग्रामीण वापस अपने अपने घर लौट गए। लेकिन लोग एहतियातन रात भर जाग कर सावधानी बरतते देखे गए। शुक्रवार की रात गांव से कुछ दूर स्थित कोयलहवा गांव में लकड़बग्घे के हमले में एक युवक घायल हो गया था।

कृषि यंत्रों की बुकिंग में पंजीकरण न होने से किसान परेशान

संवाददाता–गोंडा। कृषि यंत्रों की बुकिंग की चाहत रखने वाले किसान परेशान है। कृषि विभाग के पोर्टल पर पंजीकरण न होने से खेती–किसानी के यंत्रों की बुकिंग नहीं हो पा रही है। इसके लिए किसानों के पास महज दो दिन का समय बाकी है। मजबूर होकर किसानों ने विभागीय अफसरों से संपर्क साधा लेकिन उन्होंने भी हाथ खड़े कर दिए। कृषि विभाग के आंकड़ों के मुताबिक जिले में 5.50 लाख से ज्यादा किसान है। जिले में सभी ब्लॉकों के किसानों को कृषि यंत्रों के लिए जल्द बुकिंग कराने की सूचना दी गई थी। लेकिन इसमें कृषि पोर्टल पर पंजीकरण की अनिवार्यता बड़ा रोड़ा बनकर खड़ी हो गई है। दरअसल जिले के तमाम किसानों ने कृषि पोर्टल पर पंजीकरण नहीं करा रखा है। कृषि अधिकारियों का साफ कहना है कि पोर्टल पर पंजीकरण के बगैर कृषि यंत्रों की बुकिंग नहीं हो सकेगी। अब पंजीकरण न कराने वाले किसान इसको लेकर काफी परेशान हैं क्योंकि कृषि यंत्रों पर सरकार की ओर से भारी अनुदान दिया जाता है। तरबगंज के रहने वाले रामकरण और मनकापुर के गयाप्रसाद वर्मा ने बताया कि पोर्टल पर बुकिंग नहीं हो रही है।

किस यंत्रों पर कितना मिलेगा अनुदानरू एसएमएएम योजना अंतर्गत यंत्रों के लक्ष्य निश्चित किए गए हैं। इसके तहत जिले में रोटावेटर 48, पावर ऑपरेटेड चौफ कटर चार ,कंबाइन हार्वेस्टर विद एसएमएस तीन, हैरो दो, कल्टीवेटर दो, स्ट्रा–रीपर तीन, किसान ड्रोन तीन, कस्टम हायरिंग सेंटर ग्रामीण उद्यमी चार लोगों को 40 प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा। एक फार्म मशीनरी बैंक के लिए एफपीओ को 80 प्रतिशत अनुदान मिलेगा। सीटू योजना अंतर्गत सुपर सीडर तीन, वेलिंग मशीन दो , सेल्फ प्रोपेल्ड रीपर कम बाइंडर तीन पर 50 प्रतिशत अनुदान देने की योजना है।

प्रेम कुमार ठाकुर, उप कृषि निदेशक ने कहा कि कृषि यंत्रों के लिए चार फरवरी तक किसान ऑनलाइन बुकिंग करा सकते हैं। इसके लिए किसानों का पोर्टल पर पंजीकरण जरूरी है। ऐसे में जरूरी है कि किसान पहले पोर्टल पर पंजीकरण करा ले। इसके बाद में यंत्रों की बुकिंग कराए।

कार्यकर्ताओं ने मनाया शिवपाल सिंह यादव का जन्मदिन

संवाददाता–देवरिया। शहर के बांस देवरिया स्थित समाजवादी पार्टी कार्यालय पर रविवार को पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव का जन्मदिन केक काटकर पार्टी के कार्यकर्ताओं ने धूमधाम से मनाया।

कार्यक्रम के आयोजक अनिल यादव ने कहा कि शिवपाल सिंह यादव ने कार्यकर्ताओं के लिए हर मोर्चे पर आन्दोलन को मजबूती देने का काम किया है, उन्होने पार्टी की नींव को और भी गहरा किया है।

इस दौरान श्रषिकेश यादव, संगम यादव, आलोक यादव, महावीर गोंड़, बटलर यादव, अजीत यादव, संदीप यादव, राजेश यादव, मनोज, महातम यादव, संतोष यादव, दीपक यादव, जयराम यादव, हरेन्द्र यादव, श्याम बहादुर भारती, विजय प्रताप यादव आदि मौजूद रहे।

नामधारी सिख संगत कर रहे हैं लोगों की सेवा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। तीर्थराज प्रयाग में महाकुंभ चल रहा है, जहां लोग अमृत स्नान कर अपने आप को धन्य महसूस कर रहे हैं क्योंकि यह महाकुंभ 144 साल बाद पुण्य मुहूर्त में लगा है तो वहीं कुंभ मेले में नामधारी सिख संगत से जुड़े लोग सेवा करके अपने आप को धन्य कर रहे हैं यह सेवा नामधारी सिख संगत के सद्गुरु दिलीप सिंह के आशीर्वाद से चल रहा है और सेवा के साथ–साथ यह लोग सद्भावना का भी मिशाल पेश कर रहे हैं। संगत ने 24 दिसंबर से 23 फरवरी तक प्रयागराज के महाकुंभ में शिविर लगाकर के सेवा कर रहे हैं और अखाड़े में जाकर संत जनों का आशीर्वाद भी ले रहे हैं। सूबा अमरीक सिंह और सूबा रतन सिंह के नेतृत्व में नामधारी संगत से जुड़े लोग तीर्थराज प्रयाग के संगम में डुबकी लगा रहे हैं और निरंतर सेवा कर रहे हैं।इस दौरान संगत ने विश्व हिंदू परिषद के दिनेश जी, प्रवीण तोगड़िया, विभिन्न शंकराचार्य महाराज, पुरी वाले दादा गुरु आदि कई धार्मिक गुरुओं से मुलाकात की और विचार विमर्श किया। नामधारी सिख संगत की इस यात्रा ने कुंभ मेले में धार्मिक एकता का एक अनूठा उदाहरण पेश किया। सूबा अमरीक सिंह , सूबा भगत सिंह , सूबा रतन सिंह और तजिंदर सिंह सहित कई अन्य प्रमुख सदस्य निरंतर सेवा में लगे हुए हैं।

पढ़ाई लिखाई छोड़कर अपार आईडी बनाने में जुटे शिक्षक

संवाददाता–देवरिया। पढ़ाई लिखाई छोड़कर शिक्षक अपार आईडी बनाने में जुट गए हैं। विभाग के दबाव में सरकारी स्कूलों में शिक्षक आईडी बनाने में जुट गए हैं। इसके चलते इन स्कूलों में पढ़ाई बेपटरी हो गई है। विद्यालयों में पढ़ने वाले समस्त छात्र–छात्राओं का शैक्षिक प्रगति और उपलब्धि के लिए ट्रैक ऑटोमेटेड परमानेंट एकेडमिक अकाउंट रजिस्ट्री (अपार आईडी) बनना है। आईडी कार्ड का मतलब यह है कि हर बच्चे का एक यूनिक आईडी हो, जिससे हर छात्र का रिकार्ड रखा जा सके। बेसिक शिक्षा अधिकारी और जिला विद्यालय निरीक्षक के सख्त रुख अपनाने के चलते शिक्षकों ने पढ़ाई लिखाई का काम पूरी तरह बंद कर दिया है। क्षेत्र के लगभग सभी सरकारी स्कूलों में शिक्षक मोबाइल लेकर बच्चों का अपार आईडी बनाने में जुटे हुए हैं। अपार आईडी बनाने में बच्चों के साथ अभिभावक का आधार अपलोड करना है। आधार और स्कूली अभिलेख में एक भी अक्षर का मिसमैच होने पर अपार आईडी नहीं बन पा रही है। इसके चलते शिक्षक आईडी बनाने के लिए आपाधापी मचाए हुए हैं। शिक्षकों के अपार आईडी में बनाने में जुटने का खामियाजा छात्र–छात्राओं को उठाना पड़ रहा है। सबसे अधिक नुकसान बोर्ड परीक्षा की तैयारी में जुटे दसवीं और बारहवीं के बच्चों को हो रहा है। बोर्ड परीक्षा 24 फरवरी से शुरू हो रही है। शिक्षक बच्चों को कोर्स का रिवीजन करने में लग जाते थे। लेकिन इस साल अपार आईडी ने कोर्स का रिवीजन तो दूर शिक्षक चौप्टर कंप्लीट नहीं कर पाए हैं

रोमांचक मुकाबले में जी समवाय 18 रन से जीती

संवाददाता–श्रावस्ती। खेल को बढ़ावा देने के लिए एसएसबी की ओर से अन्तर समवाय खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में रविवार को 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल मुख्यालय भिनगा में क्रिकेट प्रतियोगिता कराई गई। जिसमें जी समवाय की टीम ने 18 रन से जीत दर्ज की। 62वीं वाहिनी एसएसबी कमांडेन्ट अमरेन्द्र कुमार वरुण ने वाहिनी मुख्यालय भिनगा के शिवाजी खेल मैदान में प्रतियोगिता का शुभारम्भ किया। यहां मुख्य समवाय व जी समवाय के बीच क्रिकेट मैच हुआ। टास जीतकर जी समवाय ने पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया और बैटिंग करते हुए 15 ओवर में सात विकेट खोकर 163 रन बनाए। इस तरह विपक्षी टीम को जीत के लिए 164 रनों का लक्ष्य दिया। जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुख्य समवाय की टीम 15 ओवर में दो विकेट गंवाकर 145 रन ही बना पाई। इस तरह जी समवाय ने 18 रनों से मुकाबला जीत लिया। कमांडेन्ट ने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य बल के जवानों में खेल के प्रति उत्साह और समर्पण को बढ़ावा देना था। सभी समवायों ने खेलों के दौरान अपनी टीम भावना और अनुशासन का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

मिल्कीपुर पहुंचे सीएम योगी ने कहा– बेटी की घटना पर सांसद नौटंकी कर रहा है, कुत्ते की पूंछ सीधी नहीं हो सकती

संवाददाता–अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर जमकर निशाना साधा है। अयोध्या के मिल्कीपुर में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि सपा सनातन का विरोध करती है। पिछले 2 महीने का ट्वीट देखिए, सबसे बड़े आध्यात्मिक आयोजन महाकुंभ के विरोध में हैं। दुनियाभर से 34 श्रद्धालुओं ने प्रयागराज में त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाई है। शनिवार को उपराष्ट्रपति और 73 देशों के राजदूत आए,देश दुनिया से पर्यटक और श्रद्धालु महाकुंभ आए हैं। लेकिन पीड़ा समाजवादी पार्टी को हो रही है।

सीएम योगी रविवार को मिल्कीपुर के सर्वोदय इंटर कॉलेज रामगंज पहुंचे। यहां उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, ष्वर्षों बाद अयोध्या में रामलला विराजमान हुए लेकिन तब भी सपा ने इसका विरोध किया था, आज आप देख रहे होंगे। जब भी अयोध्या के विकास कार्य को आगे बढ़ाया तब सपा ने इसका विरोध किया। सड़कों को चौड़ीकरण हो या इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निर्माण हो तब भी सपा ने इसका विरोध किया। अयोध्या के एयरपोर्ट का नामकरण महर्षि बाल्मिकि के नाम पर किया गया, तब भी सपा ने विरोध किया। जब हम लोगों ने अयोध्या में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए बड़े–बड़े रैन बसेरों का नामकरण निषादराज किया था, तब भी समाजवादी पार्टी को पीढ़ा हो रही थी। इस पार्टी की पीढ़ा को हम समझ सकते हैं। सपा अध्यक्ष के पिछले 2 महीनों के ट्वीट को देखिए, इनके सभी ट्वीट इस सदी के सबसे बड़े आध्यात्मिक और सांस्कृतिक आयोजन महाकुंभ के विरोध में आए हैं।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि ये वहीं समाजवादी पार्टी है जो बहराइच में महाराज सुहलदेव के विजय स्मारक का विरोध करती है। कहती है कि गांधी का होना चाहिए। सपा को गांधी व पाजी (बदमाश) प्यारे हैं। इनको मिल्कीपुर का मोइन खान प्यारा है। इन्हें कन्नौज का नवाब सिंह यादव प्यारा है। जिसने बेटी की इज्जत से खिलावड़ किया। सपा हर माफिया के साथ खड़ी रहती थी। जब भी कोई घटना घटती है तो उसके पीछे सपा का हाथ होता है। इसलिए इसे पीढ़ा है कि कैसे सनातन धर्म का गौरव बढ़ रहा है। विकास अयोध्या का हो रहा है, प्रयागराज हमारे जनप्रतिधियों का था, पैसा केंद्र और राज्य का था लेकिन पीढ़ा सपा को हो रहा था।

सीएम ने कहा कि सपा भारत विरोधी तत्वों को गले लगाती है। विधानसभा उपचुनाव के दौरान इनके दरिंदे नेता ने मैनपुरी में दलित बेटी की गला घोंटकर हत्या कर दी थी। अयोध्या में कल एक बेटी के साथ घटना हुई है, आज इनका सांसद नौटंकी कर रहा है। जांच होगी तो उसमें भी सपा का कोई दरिंदा शामिल जरूर होगा।

महिला आयोग ने एससी बेटी के परिवार से की मुलाकात, न्याय का दिलाया भरोसा

संवाददाता–अयोध्या। एससी बेटी की हत्या के मामले में राज्य महिला आयोग की सदस्य डॉ. प्रियंका मौर्या ने पीड़ित परिवार से मुलाकात की और उन्हें सांत्वना दिया। परिवार से मुलाकात करने के बाद उन्होंने कहा कि इस घटना से परिवार बहुत व्यथित है। राज्य महिला आयोग की तरफ से मैने पीड़ित परिवार से मुलाकात की है और उन्हें सांत्वना दिया है। त्वरित न्याय दिलाने के लिए परिवार को आश्वासन भी दिया है। परिवार वालों से जिस तरह से मैने घटनाक्रम को समझा है, उस बच्ची के साथ हैवानियत हुई है। मेरा यह प्रयास रहेगा कि बच्ची को जल्द से जल्द न्याय मिले। डॉ. प्रियंका ने कहा कि जैसे ही पुलिस को इस घटना की सूचना मिली पुलिस तुरंत हरकत में आई और सर्च ऑपरेशन चलाते हुए मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस और प्रशासन की ओर से परिवार की निरंतर मदद की जा रही है। मामले की जांच चल रही है। जो भी इसमें दोषी पाया जाएगा, उसके ऊपर सख्त कार्रवाई होगी। यह बच्ची हम सब की बच्ची है और न्याय दिलाने के लिए उसके साथ हम खड़े हैं।

बाजार गए युवक को मारने-पीटने का आरोप, मुकदमा दर्ज

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में नगर पंचायत बखिरा के मेड़रापार निवासी एक युवक के शनिवार की शाम बखिरा कस्बे के कुछ लोगों ने मारपीट कर घायल कर दिया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर चार नामजद समेत 10–15 अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया है। रविन्द्र सिंह पुत्र स्व. घोलर सिंह निवासी मेड़रापार का आरोप है कि उनका नाती रुद्रप्रताप सिंह पुत्र अजय प्रताप सिंह एक फरवरी की शाम को साढ़े चार बजे कुछ घरेलू आवश्यक सामान लेने के लिए बखिरा कस्बे के शनिचरा बाजार गया था।

प्रेसवार्ता में फूट-फूटकर रोये सांसद, दुष्कर्म मामले में कार्रवाई न होने पर इस्तीफे की दी चेतावनी

संवाददाता–अयोध्या। दो दिन से लापता युवती की नग्न लाश मिलने के बाद सियासत गर्म हो गई है। इस मामले में समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव का ट्वीट सामने आने के बाद अब अयोध्या से उनकी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद के फूट–फूट कर रोने का वीडियो सामने आया है। सांसद अवधेश प्रसाद ने रविवार को इस मामले को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई थी। वह मीडिया के सामने अचानक जोर–जोर से रोने लगे। प्रभु श्री राम के नाम की गुहार लगाते वह रोने लगे तो उनके समर्थक उन्हें ढांढस बंधाने में जुट गए। समर्थकों ने कहा कि, आप बिटिया की लड़ाई लड़ेंगे और उसको न्याय मिलेगा। इसके बाद सांसद ने रोते हुए ही कहा कि वह इस मुद्दे को लोकसभा में पीएम मोदी के सामने उठाएंगे। सांसद ने कहा कि दलित बिटिया को न्याय नहीं मिला तो इस्ध्तीफा दे दूंगा।

सांसद ने रोते हुए कहा, श्देश की बिटियन का का होई...। समर्थकों के ढांढस बंधाने पर अपनी भावनाओं पर काबू करते हुए सपा सांसद ने कहा, हमें जाने दो दिल्ली, लोकसभा में जाने दो, मोदी के सामने हम बात रखेंगे। न्याय न मिला तो हम लोकसभा से इस्तीफा दे दें। हम बेटी की इज्ध्जत बचाने में नाकामयाब हो रहे हैं। इतिहास क्या कहेगा? कैसे बिटिया के साथ ये हो गया...अरे राम हो...। सांसद लगातार रोते रहे और समर्थक उन्हें समझाते रहे। इस बीच माथा पीटकर कर सांसद प्रभु राम की गुहार लगाने लगे। वह बार–बार कहते रहे–हे मर्यादा पुरुषोत्तम राम कहां हो?.... कहां हो.... कहां हो. सीता मईया कहां हो?

सांसद अवधेश प्रसाद बार–बार कहते रहे कि हमें जाने दो दिल्ली हम इस्तीफा दे देंगे। उधर उनके समर्थक कहते रहे कि इस्तीफा नहीं देना है। आपको लड़ना है और बिटिया को न्याय दिलाना है। उन्होंने इस घटना को निर्भया कांड से भी गंभीर मामला बताया। इसके साथ ही धार्मिक मान्यता से अंतिम संस्कार न होने का आरोप लगाते हुए पुलिस पर सवाल उठाया। उन्होंने युवती के परिवारीजनों को सुरक्षा और दोषियों को पकड़कर फांसी की सजा दिलाने की मांग की। अयोध्या कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में सुनसान क्षेत्र की झाड़ियों में शनिवार को एक युवती का शव मिला है। मृतका अपने घर से कुछ दूर नाले के बगल झाड़ियों के बीच निर्वस्त्र हाल में पड़ी थी। हत्या की आशंका पर पुलिस ने शव का 3 डाक्टरों के पैनल से पोस्टमार्टम कराया। घटनास्थल की एफएसएल से भी जांच कराई गई। युवती पिछले 2 दिन से लापता थी। उसके पिता की शिकायत पर शुक्रवार को पुलिस गुमशुदगी दर्ज कर तलाश में जुटी थी। परिजनों ने हत्या के साथ रेप की भी आशंका जताई है। पुलिस के साथ खोजबीन में जुटे परिजनों को शुक्रवार को सुनसान क्षेत्र में लापता युवती के कपड़े मिले थे। पास ही देशी शराब का खाली पाउच और प्लास्टिक के तीन गिलास भी मिले थे। शनिवार की सुबह घर से थोड़ी दूर नाले के बगल झाड़ियों के बीच युवती का शव मिला। मृतका के पिता का कहना है कि उसके शरीर पर कपड़ा नहीं था। चेहरे से लेकर सीने तक नोच–खरोंच के निशान और घाव थे। सूचना मिलते ही मौके पर लोगों का मजमा लग गया। सीओ अयोध्या समेत अन्य पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंच गए। सूचना मिलते ही विभिन्न दलों के नेता और जनप्रतिनिधि भी आए। पुलिस ने मौका–मुआयना के बाद विधि विज्ञान प्रयोगशाला की टीम बुलाकर मौके से सैंपल भी कलेक्ट कराए हैं।

अयोध्या में युवती के साथ हुई घटना को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भी दुख जताते हुए सवाल उठाया है। सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर शनिवार को एक पोस्ट में उन्होंने लिखा– ये बेहद दु:खद खबर है कि अयोध्या के ग्रामसभा सहनवां (सरदार पटेल वार्ड) में 3 दिन से गायब दलित परिवार की बेटी का शव निर्वस्त्र अवस्था में मिला है, उसकी दोनों आँखें फोड़ दी गई हैं उसके साथ अमानवीय व्यवहार हुआ है।

प्रशासन ने तीन दिन पहले ही अगर परिवार की सूचना पर ध्यान दिया होता तो बच्ची की जान बचायी जा सकती थी। हम उत्तर प्रदेश सरकार से मांग करते है कि जो दोषी हैं और जिन पुलिसकर्मियों ने इस मामले में लापरवाही बरती है, उन सबके खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की जाए और पीड़ित परिवार को तत्काल 1 करोड़ का मुआवजा दिया जाए। अयोध्या के एसएसपी राजकरण नय्यर ने एएनआई से कहा कि 31 जनवरी को दर्शन नगर चौकी में एक सूचना मिली थी, जहां एक लड़की द्वारा बताया गया था कि 30 जनवरी की रात वह अपनी बहन के साथ सोई थी और जब वह उठी तो उसकी बहन उसके साथ नहीं थी। सूचना पाते ही पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत किया और लड़की की खोज के लिए 2 टीमों का गठन किया गया था। शनिवार सुबह जानकारी मिली कि लड़की का शव एक खेत में मिला है। सभी सबूत इकट्ठे कर लिए गए हैं। एक संदिग्ध को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

रोडवेज बस ने ट्रक में मारी टक्कर, 12 यात्री चोटिल

संवाददाता–गोरखपुर। सड़क दुर्घटना की एक बड़ी घटना गंभीर होते–होते बची। शनिवार की देर रात करीब 2:20 के आस–पास प्रयागराज से आ रही रोडवेज बस यात्रियों को बगागढ़ा ओवरब्रिज जीतपुर के पास लेकर पहुंची थी। इस दौरान वहां से पहले से खड़े ट्रक में बस ने पीछे से टक्कर मार दी। अचानक लगे इस टक्कर से बस में सवार यात्रियों को चोट आ गई। इसमें 6 लोग गंभीर रुप से घायल हो गए, जबकि 12 यात्री चोटिल हो गए। हादसे की सूचना वायरल हुई तो जिले के स्वास्थ विभाग के पास भी पहुंची। जिला कोऑर्डिनेटर सोनू शर्मा, प्रोग्राम मैनेजर अनुराग श्रीवास्तव एवं रीजनल मैनेजर दिग्विजय मौर्या ने समन्वय स्थापित कर मौके पर 5 एंबुलेंस को रवाना किया। सभी एम्बुलेंसों ने तत्काल प्रभाव से मरीज को प्राथमिक उपचार देते हुए जिला हॉस्पिटल में भर्ती कराया। सभी की स्थिति खतरे से बाहर है। 108 एंबुलेंस की तत्परता को देखकर लोगों ने काफी सराहना की।

दैनिक
भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**
bhartiyabasti@gmail.com